साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 02 जून से 08 जून 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 03 में...
भाटिया दिल्ली से गिरफ्तार...

पेज 08 में...
भूपेश के बयान पर गर्माई सियासत

वर्ष : 01 अंक : 13 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com पेज 11 सुशासन, जन समस्याओं का समाधान

एसबी-एमटी पुल में गड़बड़ियों की इंतेहा, शिकायतों के बाद भी अफसर बेफिक्र

माले मुफ्त दिले बेरहम...

एडीजी गुप्तवार्ता अमित कुमार तक पहुंची शिकायत

एआईजी इंट अवस्थी, डीआईजी कोटवानी दोनोंबेखबर

आरक्षक-चालकों ने आरआई चंद्राकर पर लगाए आरोप

रोजाना 2000 लीटर पेट्रोल-डीजल पर्ची में गड़बड़ी की खबर

खड़ी गाड़ियों के नंबर से जारी फ्यूल पर्ची का गोरखधंधा

शिकायत करने के बाद आरक्षक-चालकों की लगी फटिक ड्यूटी

सुकांत राजपूत/9827181979

शहर सत्ता/रायपुर। वर्ष 2016 में नक्सल अभियान में लाखों रुपए का पेट्रोल-डीजल घोटाला का खुलासा हुआ था। पुलिस विभाग में नक्सल विरोधी अभियान में करोड़ों का पेट्रोल घोटाला फूटने के पश्चात ट्रेवल एजेंसी के खिलाफ भी कार्रवाई हुई थी। लगने लगा था कि अब व्यवस्था सुधर जाएगी। लेकिन अब भी व्यवस्था ढाक के तीन पात ही है। रायपुर के एसबी-एमटी पुल में सरकारी पैसों की बंदरबांट का बेहतर जरिया अब पेट्रोल-डीजल बन गया है।

एसबी-एमटी पुल प्रभारी आरआई सौरभ चंद्राकर और बटालियन से लेकर बिठाये गए पीएसओ पंकज रावत की कार्यशैली की खासी चर्चा है। रोजाना तकरीबन 2000 लीटर की डीजल-पेट्रोल की पर्ची में गाड़ियों के एवरेज के नाम से चोरी, पर्ची जारी करने के बाद चालकों से कमीशन और फिर पेट्रोल पंप से प्रति लीटर 5 रूपये कमीशन का खेल चल रहा है। ऐसा नहीं है कि एसबी-एमटी पुल में चल रहे इस खेल की भनक आला से मझोले अफसरों तक को है। हाल ही में एडीजी इंट अमित कुमार से लेकर डीआईजी एमएल कोटवानी को भी है। लेकिन जिस तरह गुप्तवार्ता का मुखबिर तंत्र की राशि का अता पता करना मुश्किल है ठीक उसी तरह पुलिस विभाग के पेट्रोल-डीजल से करोड़पति होते अफसरों पर कार्रवाई का पूछना नामुमकिन है।

एसबी-एमटी पुल रायपुर के आरक्षक-चालक अब अवसाद और तनाव में हैं। क्योंकि उन्हें शिकायत करने की सजा रविवार को भी फटिक ड्यूटी के तौर पर मिल रही है। नाराज लेकिन इमानदार आरक्षक चालकों में महकमे के अफसरों के प्रति रोष बढ़ने लगा है।

इस मामले में संबंधित अधिकारी से आपको बात करनी चाहिए, और अगर ऐसी शिकायत हमारे पास आती है तो जरूर इस मामले में जांच भी होगी और कार्रवाई भी होगी।

-अमित कुमार
एडीजी गुप्तवार्ता

चोरी, कमीशन और बदजुबानी से त्रस्त है स्टाफ

एसबी-एमटी पुल में तैनात शासकीय वाहन चालकों में गुस्सा भर गया है। आरआई सौरभ चंद्राकर की गालियों से कोई त्रस्त है तो किसी को शासकीय कार्यालयीन अवधी में उनके घरेलु कार्य करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। बिना पात्रता के एसबी पल के रिजर्व कोटे की गाड़ियों में पत्नी दफ्तर आती जाती हैं। बच्चे बैडमिंटन कोर्ट भी पुल की गाड़ी से जाते हैं। आरआई बोलेरो अपने घर पर रखते हैं। और खुद की निजी वाहन कार आई-20 में पेट्रोल एसबी-एमटी पुल के सरकारी वाहन के खाते का भरवाते हैं। मातहत आरक्षक-चालकों से गालियां देकर बात करना आम है। नतीजतन नाराज स्टाफ अब बगावत के मूड में है।

केस 1

तत्कालीन एडीजी योजना प्रबंध आरके विज के निर्देश पर सिविल लाइन थाने में ऑल इंडिया ट्रैवल्स के संचालक विनोद अग्रमोदी के खिलाफ चार सौ बीसी का अपराध दर्ज किया गया था। आरोप था कि ट्रैवल्स संचालक के चालकों ने वाहन के लॉग बुक, डायरियों में फर्जी तरीके से मंत्रियों व पुलिस अधिकारियों का दौरा दर्ज करते हुए महीने भर में 12 से 14 हजार लीटर तक पेट्रोल-डीजल का खपत दर्शाकर फर्जी बिल तैयार किया।

केस 2

पुलिस विभाग में ईंधन घोटाला रायपुर, गरियाबंद, जशपुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, जांजगीर-चांपा आदि जिलों में हुआ है। जांच में अकेले रायपुर जिले में करीब 22 हजार लीटर पेट्रोल व डीजल की बिलिंग में फर्जीवाड़ा सामने आया है। फर्जी बिलिंग का यह खेल पिछले छह महीने से चल रहा था। केवल रायपुर में 10 लाख रुपए से अधिक की फर्जी बिलिंग का संदेह है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

अफसर बेफिक्र, मातहतों की मौज

एसबी एमटी पुल में उच्चाधिकारियों की उदासीनता के चलते निचले स्तर के अफसर बेफिक्री से पेट्रोल-डीजल में घोटाला कर रहे हैं। आमतौर पर पुलिस लाइन में डीजीपी, आईजी और एसएसपी निरिक्षण होता है।

लेकिन अब तक वीआईपी सुरक्षा, वीआईपी काफिले में वाहनों की तैनाती से लेकर सरकारी और गैर सरकारी वाहनों के लिए पेट्रोल-डीजल की पर्ची जारी करने वाले एसबी-एमटी पुल में निरिक्षण, आरक्षक-चालकों से संवाद गुप्त वार्ता के संबद्ध अधिकारी नहीं करते। इसलिए करोड़ों के डीजल-पेट्रोल में घोटाले का खेल धड़ल्ले से जारी है।

प्रमुख बिंदु

- पुलिस लाइन स्थित पुराने एमटी वर्क शॉप में संचालित एसबी-एमटी पुल अंतर्गत CM हॉउस, एसीबी, एसबी, प्रदेश के समस्त वीआईपी वाहनों और रिजर्व कोटे(40 गाड़ियां) की गाड़ियों को मिलाकर सैकड़ों डीजल-पेट्रोल वहान हैं। पेट्रोल-डीजल वाहनों की आपूर्ति एसबी-एमटी पुल से होती है। रायपुर एसबी-एमटी पुल से इनके लिए रोजाना औसतन 50 गाड़ियों में फ्यूल के लिए पर्ची आरआई एसबी-एमटी पुल प्रभारी सौरभ चंद्राकर जारी करते है।
- 40 से 50 वाहनों के लिए जारी होने वाला पेट्रोल डीजल का प्रतिदिन का कोटा औसतन प्रति गाड़ी 40 से 50 लीटर या आवश्यकता अनुसार पर्ची जारी की जाती है। अगर 50 से गुणित करें तो आंकड़ा प्रतिदिन 2000 लीटर होता है। वाहनों में नवा रायपुर स्थित एक निजी पेट्रोल पंप और रायपुर के मिनोचा पेट्रोल पंप से फ्यूल भरवाया जाता है।

आरआई एमटीओ की भूमिका पर संदेह

पुलिस सूत्रों ने बताया कि नक्सल अभियान, मंत्री और अफसरों के दौरे के लिए किराए पर लिए गए ऑल इंडिया ट्रैवल्स के कई लग्जरी वाहनों की बिलिंग ट्रैवल्स संचालक द्वारा करने के बाद उसे एसबी पुल महासमुंद और एमटी पुल शाखा रायपुर में पेश किया जाता है। सभी बिलों की जांच एमटीओ के द्वारा करने के बाद ही भुगतान का निर्देश दिया जाता है। चौंकाने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में ट्रैवल्स संचालक द्वारा एमटीओ के समक्ष बिल पेश किए बगैर किस तरह से भुगतान प्राप्त कर लिया गया? ऐसे में एमटीओ की भूमिक पर शक किया जा रहा है।

कंप्लेंट करने की मिली सजा, कर रहे फटिक

कार्रवाई नहीं होने और आरआई द्वारा की जा रही मनमर्जी की शिकायत की मुखबिरी होने के बाद गलतियां सुधारने के बदले रविवार अवकाश के दिन में भी आरक्षक-चालकों को फटिक ड्यूटी में उपस्थित होने का मौखिक आदेश जारी किया गया है। शिकायतकर्ता स्टाफ को छुट्टी के दिन भी श्रमदान का तुगलकी फरमान देकर आरआई सौरभ चंद्राकर ने जता दिया है कि उन्हें अफसरों का वरदहस्त प्राप्त है।

खड़ी बुलेट प्रुफ गाड़ी भी पी गई 25 लीटर

एसबी एमटी पुल में खड़ी बुलेट प्रुफ स्कार्पियो क्रमांक सीजी- 03- 6207 में 30 मई को 25 लीटर डीजल पर्ची जारी हुई। बता दें इस वहां का चालक आनंद जगन है लेकिन स्कॉर्पियो पुल से निकली ही नहीं फिर भी आरआई सौरभ चंद्राकर ने खड़ी गाड़ी के नाम पर 25 लीटर की पर्ची जारी किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एसबी-एमटी पुल में एडीजी अमित कुमार की नाक के नीचे उनके मातहत कितनी भर्राशाही कर रहे हैं।

गुप्तवार्ता के सभी अफसरों को शिकायत

एडीजी गुप्त वार्ता अमित कुमार, डीआईजी एमएल कोटवानी समेत एआईजी इंट ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी को भी एसबी-एमटी पुल रायपुर में चल रही अनियमितताओं की लिखित और मौखिक शिकायतें की गई हैं। फ़िलहाल महकमे के आला अफसर मामले पर जांच कर रहे हैं। लेकिन आरोपियों से पूछताछ और कार्रवाई अब तक सिफर है।

रोजाना 200 लीटर फ्यूल की अफरा-तफरी

पुलिस विभाग में एसबी-एमटी पुल में गोपनीय कार्य के नाम पर, नवा रायपुर पीएचक्यू आने-जाने और एसबी-एसआईबी, सीएम हॉउस के अलावा वीआईपी ड्यूटी के नाम पर धड़ल्ले से चल रहा पेट्रोल-डीजल घोटाले का यह खेल रोजाना 50 गाड़ियों में तकरीबन 2000 लीटर डीजल-पेट्रोल का 1 लाख 90 हजार रूपये होता है। ऐसे में प्रति गाड़ी वाहन चालक को 40 या उससे अधिक फ्यूल पर्ची जारी करने के 200 रूपये कमीशन वसूली के अलावा पंप से प्रति लीटर 5 रूपये बतौर कमीशन लिए जाने की खबर है।

सरकारी पेट्रोल से आरआई की चल रही आई-20

एसबी-एमटी पुल में डंप टाटा मांजा मॉडल की पेट्रोल गाड़ी खड़ी है। खड़ी गाड़ी में सरकारी पर्ची से अपनी निजी आई-20 वाहन में ज्ञात तौर पर दो बार 70 लीटर पेट्रोल आरआई सौरभ चंद्राकर डलवा चुके हैं। सूत्रों की मानें तो यह सिलसिला आरआई अपनी पोस्टिंग के बाद से करीब 2 साल से कर रहे हैं। इतना ही नहीं पत्नी को दफ्तर छोड़ने के लिए, बच्चों को बैडमिंटन कोर्ट छोड़ने और शासकीय वाहन सप्ताह में 4 से 5 दिन माना में क्रिकेट खेलने में दुरूपयोग होता है। घरेलु कार्यों में सरकारी वाहन, सरकारी पैसों से भरवाए गए पेट्रोल-डीजल की फिजूलखर्ची समेत ड्यूटी में तैनात वीआईपी वहान आरक्षक-चालकों को मजबूर करने की शिकायत सामने आ रही है।

EOW-ACB की छापेमारी, ED की रेड के बाद से फरार था कारोबारी

शराब घोटाला

विजय भाटिया दिल्ली से गिरफ्तार लाए गए रायपुर, कल होंगे कोर्ट में पेश

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ACB-EOW की टीम ने शराब कारोबारी विजय भाटिया को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। भाटिया को रायपुर लाया जा रहा है। इसके साथ ही EOW की टीम ने दुर्ग-भिलाई में भाटिया के 6 ज्यादा ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई चल रही है। जानकारी के मुताबिक EOW के अधिकारी भिलाई नेहरू नगर स्थित भाटिया के घर पर सुबह 6 बजे छानबीन कर रही है। 2 अलग अलग गाड़ियों में ACB-EOW के 7 अधिकारी पहुंचे हैं। उन्होंने आते ही पूरे घर को चारों तरफ से देखा। इसके बाद घर में रह रहे लोगों से पूछताछ शुरू की।

बताया जा रहा है कि घर के नौकरों को काम करने की छूट दी गई है, लेकिन उनसे भी पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के साथ महिला पुलिस भी मौजूद है। भाटिया के घर पर 2 साल पहले ED ने छापेमारी की थी, तब से वह फरार चल रहा था। लंबे समय बाद EOW की गिरफ्त में आया है।

एक साथ 4 जगहों पर ED ने की थी छापेमारी

2 साल पहले ED ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बर्थडे के दिन उनके राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, ओएसडी आशीष वर्मा, मनीष बंछोर और कारोबारी विजय भाटिया के घर छापेमारी की थी। रेड को लेकर बीजेपी कांग्रेस में खूब बयानबाजी हुई थी। पूर्व सीएम भूपेश ने इस कार्रवाई को पीएम मोदी की ओर से दिया गया बर्थडे गिफ्ट बताया था। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री जी और अमित शाह जी। मेरे जन्मदिन के दिन आपने मेरे राजनीतिक सलाहकार और मेरे OSD सहित करीबियों के यहां ED भेजकर जो अमूल्य तोहफा दिया है, इसके लिए बहुत आभार।

12 दिन पहले 39 जगहों पर छापेमारी

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में 12 दिन पहले ACB और EOW ने 39 जगहों पर छापेमारी की थी। इसमें दुर्ग-भिलाई के अलावा धमतरी और महासमुंद में ये कार्रवाई की गई। छापेमारी में 90 लाख रुपए की राशि, सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए गए। ACB और EOW की कई टीमें चार गाड़ियों में सुबह 4 बजे भिलाई पहुंची। एक टीम हाउसिंग बोर्ड स्थित आम्रपाली अपार्टमेंट में अशोक अग्रवाल के घर पहुंची। दूसरी टीम नेहरू नगर में बंसी अग्रवाल और विशाल केजरीवाल के यहां दबिश दी। वहीं खुर्सीपार में विनय अग्रवाल के यहां दस्तावेजों की जांच हुई।

कमीशन के पैसे से बेटे का घर बना, कांग्रेस भवन निर्माण भी

ED का आरोप है कि पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। ED के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपए मिले। ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगे। ईडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई भरी गई।

पनीर फैक्ट्री के पानी से 20 एकड़ खेत बंजर, स्कूली बच्चे हुए बेसुध

ग्रामीण बोले-बदबू से उल्टी हो रही, केमिकल-युक्त पानी खेतों में फेंका

शहर सत्ता/रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के कपसदा गांव में पनीर फैक्ट्री से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी ने पूरे गांव की सेहत, खेती और भविष्य को खतरे में डाल दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब और खेतों में जहरीला पानी डाला जा रहा है। कैवल्य फ्रेश नाम की पनीर फैक्ट्री के खिलाफ सैकड़ों ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है।

कपसदा गांव के खेतों में बहाए जा रहे केमिकल युक्त पानी से 20 एकड़ से अधिक खेत बंजर बन गए हैं। केमिकल युक्त पानी की बदबू इतनी भयंकर है कि गांव के लोगों का खाना तक खाना मुश्किल हो गया है। लोगों को उल्टियां हो रही है। स्कूली बच्चे बेहोश होकर गिर रहे हैं। ग्रामीणों ने पंचायत में बैठक बुलाकर साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर फैक्ट्री ने खेतों में पानी बहाना बंद नहीं किया, तो वे आंदोलन करेंगे। खेतों में उगने वाली फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। कई किसानों की साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया है।

दुर्ग जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर कुम्हारी के कपसदा गांव के लोग श्री ऑर्गेनिक मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट्स नाम की कैवल्य फ्रेश पनीर फैक्ट्री से परेशान हैं। इस गांव की आबादी करीब 3 हजार है। पनीर फैक्ट्री से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी ने पिछले 2 साल से ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। फैक्ट्री से महज 500 मीटर पर स्कूल हाई स्कूल है, जहां इसी रास्ते से कई बच्चे आते हैं। कुछ दिन पहले ही फैक्ट्री से गंदा पानी छोड़ा गया, जिससे स्कूल जा रही बच्ची बदबू के कारण बेहोश होकर गिर गई थी, जिसे फौरन अस्पताल पहुंचाया गया था। इसी तरह ग्रामीण भी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 5000 शिक्षकों की होगी भर्ती, भाजपा-कांग्रेस में बहस

कांग्रेस बोली-स्कूल मर्जर से 45000 टीचर्स के पद खत्म होंगे, भाजपा बोली- 'समायोजन' और 'बंद' होने में अंतर

शहर सत्ता/रायपुर। सुशासन तिहार अब खत्म हो चुका है। इसके समापन के मौके पर CM ने यह घोषणा की। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा- हम शिक्षकों की भर्ती करेंगे, यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होगी। सरकार को जनता के द्वार तक लेकर गए, जिससे लोगों को यह विश्वास हुआ कि उनकी सरकार हमेशा उनके लिए बेहतर काम करने में डटी हुई है। इसके बाद से कांग्रेस और भाजपा में इस मुद्दे पर बयानबाजी तेज हो गई है।

सरकार ने अपने बयान में साफ कहा है कि स्कूलों का "समायोजन" और "बंद" होना अलग चीज है। समायोजन का अर्थ है पास के स्कूलों को एकीकृत कर बेहतर संसाधनों का उपयोग। इसका मकसद बच्चों को अच्छी शिक्षा देना है, न कि स्कूल बंद करना। शिक्षा विभाग ने लोगों से अफवाहों से सावधान रहने की अपील की है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि हजारों की संख्या में स्कूल बंद होने की बातें भ्रामक और तथ्यहीन हैं। सिर्फ 166 स्कूलों को मर्ज किया जाएगा। 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग ने कहा है कि असलियत इससे बिल्कुल अलग है। प्रदेश सरकार की ओर से जारी युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी की पढ़ाई रोकना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधनों का

बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है। राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ 166 स्कूलों का समायोजन होगा। इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर में दूसरा स्कूल संचालित है।

इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें दर्ज संख्या 30 से कम हैं और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है। इस कारण 166 स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से समायोजित किया जा रहा है, इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। शेष 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे। उनमें केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर आवश्यक समायोजन किया जा रहा है।

बैज बोले- युक्तियुक्तकरण के विरोध में करेंगे आंदोलन

दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस युक्तियुक्तकरण के विरोध मे प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। सरकार के इस रोजगार और शिक्षा विरोधी कदम का डट कर विरोध किया जायेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नए सेटअप में प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में एचएम को शिक्षकीय पद मानते हुए प्राइमरी में 30 और मिडिल में 35 बच्चों के बीच एक शिक्षक का सेटअप घोषित किया गया है। प्राथमिक शालाओं में पहली और दूसरी में तीन-तीन विषय और तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षा लेना होता है, अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षकों के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 सब्जेक्ट इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे?

साप्ताहिक शहर सत्ता

छत्तीसगढ़ समेत 8 राज्यों में NIA की छापेमारी

नई दिल्ली/रायपुर। पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने के आरोप में सीआरपीएफ जवान मोतीराम जाट की गिरफ्तारी के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने शनिवार को देश के 8 राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। टेरर फंडिंग, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े मामलों की जांच के तहत यह कार्रवाई की गई। छत्तीसगढ़ सहित दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और असम के कुल 15 स्थानों पर एनआईए ने सर्च ऑपरेशन चलाया। छापों के दौरान टीमों ने कई स्थानों से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मोबाइल फोन और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए हैं। एनआईए सूत्रों के अनुसार ये सभी स्थान पाकिस्तान के साथ कथित तौर पर खुफिया जानकारी साझा करने और इसके बदले धन प्राप्त करने की गतिविधियों से जुड़े हो सकते हैं। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एनआईए लगातार भारत विरोधी नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को खंगाल रही है। जांच में सामने आया है कि संदिग्धों ने पाकिस्तान के एजेंटों को गोपनीय जानकारी लीक की थी। इसके बदले उन्हें भारत में विभिन्न माध्यमों से धनराशि प्राप्त हुई, जिसकी ट्रैकिंग की जा रही है। एनआईए ने इस संबंध में 20 मई को केस संख्या RC-12/2025/NIA/DLI दर्ज किया था। इस मामले में UAPA, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट और भारतीय दंड संहिता (BNS) की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन में ASI पद पर तैनात मोतीराम जाट को एनआईए ने 26 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। एनआईए का दावा है कि मोतीराम 2023 से पाकिस्तान के साथ संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जानकारियां साझा कर रहा था। इसके बदले उसे आर्थिक लाभ भी प्राप्त हुआ।

समीर 31, सौम्या 30 और रानू 22 माह बाद ले रहे खुले में सांस

कोयला घोटालाः हाईप्रोफाईल आरोपियों को सशर्त मिली राहत

रायपुर। कोयला घोटाले में निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई सहित 6 लोगों को जेल से रिहा कर दिया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें अंतरिम जमानत दी थी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 31 मई रविवार को आखिरकार इनकी रिहाई हो गई है. लेकिन इन सभी को छत्तीसगढ़ से बाहर रहने की हिदायद दी गई है.

बता दें कि कोयला घोटाला केस में दिसंबर 2022 को राज्य प्रशासनिक सेवा की पूर्व अधिकारी सौम्या चौरसिया और जुलाई 2023 को पूर्व आईएएस अफसर रानू साहू गिरफ्तार हुई थी. इनके अलावा इस मामले में समीर विश्नोई, रजनीकांत तिवारी, वीरेंद्र जायसवाल और संदीप नायक की भी गिरफ्तारी हुई थी. 29 मई को इनकी जमानत याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की डबल बेंच ने सुनवाई की थी.

क्या था मामला?

जांच एजेंसियों के अनुसार, सीनियर ब्यूरोक्रेट्स, व्यापारियों, राजनेताओं और बिचौलियों से जुड़े एक गिरोह द्वारा राज्य में ट्रांसपोर्ट किए जाने वाले प्रत्येक टन कोयले पर 25 रुपये प्रति टन की अवैध उगाही की जा रही थी। एजेंसियों के मुताबिक सूर्यकांत तिवारी जैसे निजी व्यक्तियों और सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई जैसे राज्य सरकार के पदाधिकारियों, राज्य खनन अधिकारियों के एक गिरोह ने कुछ राजनीतिक लोगों के समर्थन से कथित तौर पर खनिज ट्रांसपोर्ट में जानबूझकर नीतिगत बदलाव किए। जांच एजेंसियों की

मिली डायरियों के अनुसार, जुलाई 2020 और जून 2022 के बीच कोयला कार्टेल द्वारा 540 करोड़ रुपये उगाहे गए।

कब हुई थी गिरफ्तारी?

वर्ष 2022 से कथित कोयला वसूली घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच ईडी कर रही थी। ईडी ने अक्टूबर 2022 में समीर विश्नोई को और उसी साल दिसंबर में सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रानू साहू को जुलाई 2023 में गिरफ्तार किया था। रिजवी ने कहा कि तीनों अधिकारियों को कथित कोयला शुल्क घोटाले से संबंधित दो मामलों में अंतरिम जमानत दी गई है।

इन शर्तों के साथ मिली जमानत

बृहस्पतिवार (29 मई) को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने अंतरिम जमानत देते हुए आरोपियों पर कई शर्तें लगाईं और राज्य सरकार से गवाहों में भरोसा पैदा करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। बेंच ने कहा कि आरोपी रानू साहू, सूर्यकांत तिवारी, समीर विश्नोई और सौम्या चौरसिया को निर्देश दिया जाता है कि वे अगले आदेश तक छत्तीसगढ़ में नहीं रहेंगे, सिवाय इसके कि वे जरूरत पड़ने पर जांच एजेंसी या निचली अदालत से सामने उपस्थित रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि आरोपियों को रिहा होने के एक सप्ताह के भीतर उस थाने को अपने निवास का पता देना होगा जिसके क्षेत्राधिकार में वह छत्तीसगढ़ के बाहर रह रहे होंगे।

रायगढ़ बना छग का पहला डिजिटल पंचायत जिला, अब UPI से हो रही टैक्स वसूली

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले ने ग्राम पंचायतों में डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह राज्य का पहला जिला बन गया है जहां सभी 549 ग्राम पंचायतों में टैक्स और शुल्क का भुगतान अब यूपीआई (UPI) के माध्यम से हो रहा है। इस पहल ने ग्रामीण प्रशासन में पारदर्शिता और दक्षता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

टैक्स कलेक्शन में वृद्धि

डिजिटल प्रणाली के लागू होने से टैक्स संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पूर्व कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह गोयल ने 12 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री अवार्ड स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष इस नवाचार की प्रस्तुति दी थी। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष की तुलना में टैक्स कलेक्शन में 117% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

अब मोबाइल से हो रहे हैं टैक्स भुगतान

रायगढ़ के ग्रामीण अब प्रॉपर्टी टैक्स, बाजार शुल्क, जलकर और स्वच्छता कर जैसे भुगतान मोबाइल फोन से सीधे कर पा रहे हैं। पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए UPI क्यूआर कोड से ग्रामीणजन घर बैठे भुगतान कर रहे हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में भी डिजिटल समावेशन

रायगढ़ की 7 में से 5 तहसील आदिवासी बहुल हैं, जहां यह व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू की गई है। 330 पीवीटीजी बिरहोर परिवारों ने भी UPI से भुगतान करना शुरू कर दिया है, जो डिजिटल समावेशन की दिशा में एक अहम कदम है।

हेलिकॉप्टर में उड़ान से ठीक पहले आई तकनीकी खराबी, सीएम साय ने दूसरे चॉपर से भरी उड़ान

रायपुर। कहने को तो वीआईपी उड़ानों में तकनीकी खराबी की खबरें आम होती हैं, लेकिन बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ पुलिस ग्राउंड में जो हुआ, वह काफी अलग और चिंताजनक था। सीएम और उनकी टीम जैसे ही निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर करीब 12 बजे पुलिस ग्राउंड पहुंचे, उनका हेलिकॉप्टर उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार था। सभी अधिकारी चॉपर में सवार हो गए, पंखे तेज़ी से घूमने लगे, टेकऑफ की पूरी तैयारी हो चुकी थी।

लेकिन ठीक उसी समय पायलट को हेलिकॉप्टर के हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी महसूस हुई। पायलट ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत इंजन बंद कर दिया और उड़ान निरस्त कर दी। बताया गया कि अगर यह गड़बड़ी उड़ान के बाद सामने आती, तो लैंडिंग के समय गंभीर खतरा हो सकता था। स्थिति को देखते हुए सीएम साय ने हैंगर में ही रुककर इंतजार करना बेहतर समझा। तकरीबन एक घंटे बाद दूसरा हेलिकॉप्टर पहुंचा, जिससे मुख्यमंत्री और उनकी टीम ने बालोद के लिए उड़ान भरी। लेकिन वहां से आगे के

कार्यक्रम में उन्होंने एक बार फिर चौंकाया — तय स्थान पर न उतरकर कांकेर के मांदरी गांव में औचक निरीक्षण के लिए चॉपर उतार दिया।

मुख्यमंत्री के साथ उनके प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह और सचिव डॉ. बसवराजू एस भी मौजूद थे। मांदरी मुख्यालय के पास होने से बस्तर कमिश्नर, कांकेर कलेक्टर और क्षेत्रीय विधायक भी तत्काल मौके पर पहुंच गए।

सुशासन तिहार के समापन के बाद मुख्यमंत्री ने की पत्रकारों से चर्चा

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार, दोषियों को मिलेगा दंडः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारों से औपचारिक चर्चा करते हुए प्रदेश के जुड़े मुद्दों पर बात की। नक्सलवाद पर उन्होंने कहा कि जिस तरह अभियान चल रहा है उससे लगता है कि मार्च 2026 से पहले ही नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। नक्सलियों के साथ शांति वार्ता पर उन्होंने दो टूक कहा-किसने रोका है? हम चर्चा चाहते हैं लेकिन किससे करें? सरकार हमेशा शांति चाहती है। लेकिन नक्सली केवल पत्र लिखते हैं, शांति की पहल नहीं करते। अगर वे हथियार डालकर वार्ता करें तो जरूर करेंगे। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। जहां दशकों से विकास नहीं पहुंचा है वहां स्कूल, कालेज, अस्पताल, आंगनबाड़ी खोलने होंगे। यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। इस पर अभी से योजना बना रहे हैं।

श्री साय ने माना कि सुशासन तिहार में जल जीवन मिशन को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया। कई गांव ऐसे हैं जहां टंकी खड़ी है, नल लग गए हैं लेकिन टोंटियों से पानी नहीं

आता। बोर में पानी नहीं है लेकिन टंकी बना दी गई। अब उसका ग्रामीण क्या करें? अब ऐसे गांवों में पानी पहुंचाने की योजना बना रहे हैं। जिन्होंने भ्रष्टाचार किया उन्हें भी दंडित करेंगे

धान का बोनस देते रहेंगे

धान का बोनस देने और उसका असर राजस्व पड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी को हर हाल में पूरा करते रहेंगे। किसानों को बोनस दिया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार राजस्व में वृद्धि के रास्ते खोज रही है। अलग-अलग तरीकों से राजस्व बढ़ भी रहा है। राजस्व बढ़ेगा तो विकास कार्य नहीं रुकेंगे। धान का बोनस भी देते रहेंगे और छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार बढ़ाएंगे।

राशन वितरण को लेकर शिकायतें नहीं

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार जब प्रारंभ हो रहा था तब राशन वितरण को लेकर तमाम शंकाएं थीं, पता नहीं किस तरह की शिकायतों का सामना करना पड़ेगा। लाखों परिवारों से जुड़ा विषय है। कितनी शिकायतें आएंगी। लेकिन मुझे सुकून है कि प्रदेशभर में कहीं भी राशन को लेकर कोई शिकायत नहीं आई।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

सच बोले, झूठ से लड़ो

हिंदी पत्रकारिता एक सिर्फ भाषा का चयन नहीं है, यह एक जनपक्षधर घोषणा है। "हम उस भारत के साथ खड़े हैं, जिसे मुख्यधारा ने हाशिये पर फेंक दिया!" सच्ची और अच्छी पत्रकारिता का मतलब है, आदिवासी का दर्द लिखना, मज़दूर की चीख को हेडलाइन बनाना, खदान की धूल से सत्ता का पर्दा साफ करना। जिसने 'उदंत मार्तंड' छापा था, उसके पास ना पैसा था, ना संसाधन; सिर्फ एक आग थी, और वही आग आज फिर चाहिए।

जब लोकतंत्र घायल होता है, तब हिंदी पत्रकारिता सत्ता की गोद में सोई हुई नहीं रहती ! 30 मई को सिर्फ माल्यार्पण करने वालों से गुजारिश है, सच बोलो, झूठ से लड़ो और बिकी हुई मीडिया को ललकारो। ताकि हमारी पीढ़ी यह न कहे पत्रकार अब सत्य का सिपाही नहीं, बल्कि पैकेज का पुजारी है। चैनल अब न्यूज रूम नहीं, 'वॉर रूम' हैं; विपक्ष को गाली देने वालों का अड्डा है। हमें बोलना था जनता की तरफ से, लेकिन अब बोल रहे है मालिक के इशारे पर।

जिस अंग्रेज़ी हुकूमत की छाती पर हिंदी पत्रकारिता ने पहला सवाल दागा था। फिरंगियों और देश के गद्दारों की छाती पर मूंग दला था आज वही पत्रकारिता सत्ता की जूतियाँ पॉलिश कर रही है। कॉर्पोरेट की गोदी में बैठकर TRP का च्यवनप्राश चाट रही है। जनता मर रही है, पत्रकार चुप है। आदिवासी उजड़ रहे हैं, लेकिन हिंदी मीडिया को धर्म और ड्रामा दिखाना है। किसान कर्ज़ में डूबे हैं और रोजी-रोटी के लिए आज भी मज़दूर काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं।

आज जरुरत है सेल्फी पत्रकार' की नहीं, निःस्वार्थ पत्रकारिता की, PR टाइप एजेंट नहीं, जनप्रतिनिधि पत्रकार चाहिए। जनता को 'चाटुकार एंकर' नहीं, सत्ता से सवाल करने वाले 'छावा' चाहिए। अगर सच बोलने की कीमत मौत है, तो मौत मंज़ूर है पर चुप्पी नहीं। याद रखिये पत्रकारिता सत्ता से डरने लगे, तो वो पत्रकारिता नहीं, चारण है। सत्ता, निजाम बदलते ही रंग बदलू पत्रकारिता करने वाले गिरगिटों की तादात तो बढ़ी है। लेकिन, अब भी चंद स्वशासी पत्रकारिता पसंदों से उम्मीद बंधी है क्योंकि सवाल पूछना अब बगावत हो गया है और बगावत अब पत्रकारिता की आखिरी उम्मीद है।

अकेले हैं तो कुछ ऐसा करें कि खूब संतोष हो

पं. विजयशंकर मेहता

हजारों भक्त हैं, पर कोई एकाध भगवान को उपलब्ध होता है। वह जो अकेलेपन को एकांत में साध लेता है। भगवान को प्राप्त होने का अर्थ है, एक शांति, जीवन के प्रति तृप्ति मिल जाना। आजकल सिंगल लाइफ पर बहुत चर्चा होती है।

मुझे बहुत लोग मिलते हैं, जो कहते हैं हम सिंगल लाइफ जी रहे हैं। दो तरह की सिंगल लाइफ भारत में हैं। तलाकशुदा, विधवा, विधुर, ये भी सिंगल लाइफ हैं। दूसरे, बूढ़े माता-पिता, बच्चे दूर चले गए, एक छत के नीचे बहुत लोग रह रहे हैं लेकिन साथ नहीं हैं तो भी सिंगल लाइफ है। तो कोशिश करें कि अपने रोमांटिक पार्टनर खुद बन जाएं।

जब आप अकेलेपन को एकांत में बदलते हैं तो आपका सर्वश्रेष्ठ प्रकट होने लगता है। यदि आप सिंगल लाइफ जी रहे हैं तो बड़ा मकसद हाथ में ले लें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों से सीखें। वो सिंगल लाइफ जीते हैं, लेकिन सबके साथ, सबके लिए जीते हैं इसीलिए उनका संतुष्टि का स्तर ऊंचा होता है। जीवन में लगे कि अकेले हैं तो कुछ ऐसा कर जाएं कि अपनी सिंगल लाइफ पर भी आपको खूब संतोष हो, प्रसन्नता हो, आनंद हो।

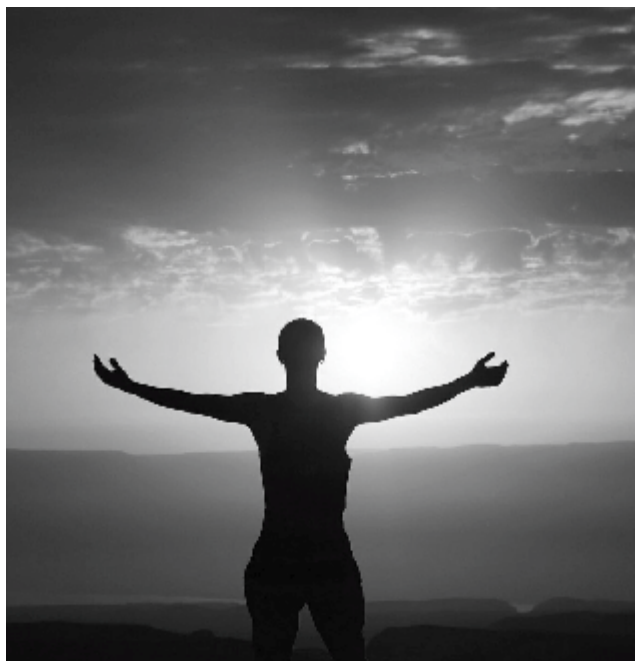

स्वयं की जिम्मेदारी लेने की सोचें

हममें से ज्यादातर लोग अक्सर यह सोचते हैं कि हम जो आज हैं, हमेशा ही ऐसे रहने वाले हैं। लेकिन स्थितियां हमेशा एक जैसी तो नहीं रहती हैं। समय के साथ हमारा व्यक्तित्व, पसंद-नापसंद और यहां तक की हमारी क्षमताएं भी बदलती रहती हैं, फिर चाहे हम कोई बदलाव चाहें या नहीं। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि यह बदलाव हमारे नियंत्रण से बाहर नहीं है, बल्कि हमारे हाथ में है। अगर हम चाहें तो आने वाले कल को एक दिशा दे सकते हैं। भविष्य में स्वयं की जिम्मेदारी लेने की रणनीतियां बना सकते हैं...

भूत, वर्तमान व भविष्य के 'सेल्फ' में फर्क

आप आज वह व्यक्ति नहीं हैं जो कभी हुआ करते थे। खुद को आप आज जिस रूप में देखते हैं, उससे सीमित न हो जाएं। यह पहचानें कि आपने खुद के अंदर समय के साथ कितना बदलाव किया है। बीते हुए 'आप' से सीखा गया अनुभव आज के 'आप' को गढ़ सकता है, और वही आपके भविष्य को दिशा भी दे सकता है। भूतकाल, वर्तमान और भविष्य के स्वयं में फर्क समझें।

अपने पसंदीदा भविष्य की कल्पना करें

आपका भविष्य का स्वरूप खुद को लेकर कैसा है? इसका उत्तर केवल आपके पास ही हो सकता है। कल्पना करें कि आप किस प्रकार के इंसान बनना चाहते हैं। एक बहुत अच्छी शुरुआत हो सकती है जर्नलिंग यानी डायरी-लेखन। खुद से पूछें कि ऐसे कौन-से तीन काम आप आज कर सकते हैं, जो आपको अपने भविष्य में 'स्वयं' के करीब लेकर जाएं? अपने भविष्य की कल्पना करें।

अपनी पहचान की कहानी को बदल लें

आपकी पहचान वह कहानी है जो आप खुद को और दूसरों को बताते हैं- अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में। अगर आप केवल अपने अतीत और वर्तमान पर ध्यान देंगे, तो यह एक स्थायी सोच बन सकती है। लेकिन जब आप अपने भविष्य के स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आपकी पहचान बदल सकती है। आप वो इंसान बन सकते हैं जो आप वास्तव में बनना चाहते हैं।

अपने भविष्य को दूसरों के साथ साझा करें

आपके भविष्य का 'सेल्फ' केवल आपके मन की बात नहीं है, उसे दूसरों के साथ बांटना चाहिए। जब आप दूसरों को बताते हैं कि आप क्या बनना चाहते हैं, तो यह आपके अंदर जिम्मेदारी और स्पष्टता लाता है। स्वीकार करें कि आप आज जिस रूप में हैं, भविष्य में आप उससे बेहतर बनना चाहते हैं।

कोंदा-भैरा के गोठ

-कोरोना वायरस के फेर बगरे के सोर सुनावत हे जी भैरा.

-हव.. सुनावत तो हे जी कोंदा, फेर जादा चिंता करे के बात नइए.. वैज्ञानिक मन के कहना हे के सावचेत रहना भर जरूरी हे.

-वैज्ञानिक मन के बरजे बात ल धरम के लंबरदार मन थोरहे पतियाथें संगी.. वो मन तो अपन उपाय म ही भरोसा करथें.. देख ले अभी इही बुधवार के ओडिसा के कटक जिला के गाँव बंधहुडा म उहाँ के माँ ब्राम्हणी देवी मंदिर के पुजारी संसारी ओझा ह कोरोना वायरस ल चुकता सिरवाय के नॉव म नरबलि दे दिस.

-कइसे उजबक बानी के गोठियाथस संगी.. नरबलि दे म कोरोना वायरस सिरा जाही?

-पुलिस ह वो पुजारी ल गिरफ्तार करे हे, जेकर जगा वो कबूल करे हे के रतिहा सपना म भगवान ह मोला कहे रिहिसे के नरबलि दे म कोरोना सिरा जाही, येकरे सेती मैं मंदिर म बलि दे हावौं.. वो मनखे के मुड़ी ल काट के चढ़ाए रेहेंव.

-करलई हे संगी.. मोला तो ए ह अंधविश्वास के पराकाष्ठा बरोबर जनावत हे.

-अंधविश्वास ही आय.. कोनो भी देवी देवता ह जीवहत्या के रद्दा नइ बतावय.. अइसन लोगन अपन नासमझी ल धर्म अउ देवी देवता के आड़ म तोपे के उदिम करथें.

प्रेरक संवाद : उत्तर देने में जल्दबाजी नहीं करें

स्वामी विवेकानंद से एक व्यक्ति ने पूछा था, श्रीकृष्ण मुरली बजाते थे तो गायें दौड़कर उनके पास कैसे आ जाती थीं, जानिए स्वामी जी ने जिस अंदाज़ में इस प्रश्न का जवाब दिया वह जीवन के मंत्र को समझाता है।

जीवन में संवाद का महत्व केवल इतना नहीं होता कि हम क्या कह रहे हैं, असल शक्ति इस बात में होती है कि हम अपनी बात कैसे कह रहे हैं। प्रभावशाली वाणी, सही समय पर सही उत्तर और सही तर्क, इन तीनों की मदद से व्यक्ति सफल होता है, सभी से मान-सम्मान पाता है। स्वामी विवेकानंद के एक किस्से से ये बात आसानी से समझ सकते हैं...

स्वामी विवेकानंद जब लोगों को उपदेश देते थे, तब कई लोग उनसे तरह-तरह के सवाल भी पूछा करते थे। कुछ सवालों के जवाब वे तुरंत दे देते थे, और कुछ के लिए कहते थे, थोड़ी प्रतीक्षा कीजिए। जब वे ऐसा कहते थे तो लोग समझ जाते थे कि स्वामी जी इस प्रश्न का उत्तर किसी उदाहरण के साथ और तर्क के साथ ढंग से देंगे।

एक दिन किसी व्यक्ति ने स्वामी जी से पूछा कि हमने सुना है कि जब श्रीकृष्ण मुरली बजाते थे तो गायें दौड़कर उनके पास आ जाती थीं। ऐसा कैसे संभव है, गायों को भी क्या सुनाई देता होगा?

उस समय वहां कई लोग मौजूद थे, सभी ने ये प्रश्न सुना और सभी इसका उत्तर सुनने के लिए उत्सुक थे, लेकिन स्वामी जी ने कहा कि इसके उत्तर के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करें।

इसके बाद कई दिन बीत गए, कई लोग ये प्रश्न भी भूल गए। फिर एक दिन स्वामी जी एक सुंदर और रोचक व्याख्यान दे रहे थे। उनकी बातें लोगों को बहुत अच्छी लग रही थीं, सभी बहुत ध्यान से सुन रहे थे। तभी उन्होंने बीच में बोलना बंद कर दिया और बिना कुछ कहे वहां से जाने लगे।

सुनने वाले लोग हैरान रह गए। वे उनकी अधूरी बात सुनने के लिए बेचैन हो गए। लोग स्वामी जी के पीछे-पीछे चलने लगे और आग्रह करने लगे कि कृपया अपना व्याख्यान पूरा कीजिए। हम आपकी बात पूरी सुनना चाहते हैं।

तब स्वामी विवेकानंद रुके, मुस्कराए और बोले कि कुछ दिन पहले आप में से किसी ने मुझसे पूछा था कि भगवान श्रीकृष्ण की मुरली सुनकर गायें दौड़कर कैसे आ जाती थीं? अब आप सभी सोचिए, जब मेरे जैसे साधारण मनुष्य की अधूरी बात सुनने के लिए आप सब मेरे पीछे-पीछे आ सकते हैं तो वे तो श्रीकृष्ण स्वयं भगवान हैं, उनकी मुरली में कितना आकर्षण रहा होगा?

लोगों को स्वामी जी की बातें समझ आ गईं और भीड़ वह व्यक्ति भी था, जिसने ये प्रश्न पूछा था, वह भी स्वामी जी के सामने नतमस्तक हो गया।

स्वामी विवेकानंद जब लोगों को उपदेश देते थे, तब कई लोग उनसे तरह-तरह के सवाल भी पूछा करते थे। कुछ सवालों के जवाब वे तुरंत दे देते थे, और कुछ के लिए कहते थे, थोड़ी प्रतीक्षा कीजिए। जब वे ऐसा कहते थे तो लोग समझ जाते थे कि स्वामी जी इस प्रश्न का उत्तर किसी उदाहरण के साथ और तर्क के साथ ढंग से देंगे।

यूक्रेन ने रूस के 4 एयरबेस, 40 एयरक्राफ्ट किए तबाह

'ऑपरेशन स्पाइडरवेब' से रूस को लगा 200 करोड़ डॉलर का चूना

कीव। पिछले तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने एक नया मोड़ लिया है. यूक्रेन ने रूस में अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले को अंजाम दिया है. यूक्रेन ने यह ड्रोन हमला रूस के साइबेरिया में एक एयरबेस पर किया, जिसमें 40 से ज्यादा रूसी विमानों को निशाना बनाने का दावा किया. रूसी सैन्य अड्डे पर तैनात विमानों पर ड्रोन अटैक का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे वीडियो में हवाई पट्टी पर खड़े विमानों को आग की लपटों और धुएं के उठते हुए गुबार को देखा जा सकता है. वहीं, सोशल मीडिया पर हमले के वायरल हो रहे एक वीडियो में उड़ता हुआ ड्रोन भी नजर आया.

यूक्रेनी पब्लिकेशन Pravda के मुताबिक, यूक्रेन ने Pavutyna यानी ऑपरेशन स्पाइडरवेब के नाम से रूस के अंदर एक स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया है. यूक्रेन ने यह हमला रूस की लंबी दूरी की मारक क्षमता को प्रभावित करने के लिए किया. यूक्रेन ने रूस के चार रणनीतिक एविएशन एयरबेस पर तैनात 40 बॉम्बर एयरक्राफ्ट्स को अपने निशाना बनाया. यूक्रेन ने अपनी सीमा के से 4700 किमी दूर स्थित रूस के बेलाया एयरबेस, 2000 किमी दूर ओलेन्या, 700 किमी दूर स्थित ड्यागिलेवो और 900 किलोमीटर दूर स्थित ल्वानोवो एयरबेस पर ड्रोन हमला किया.

यूक्रेन का ऑपरेशन स्पाइडरवेब

यूक्रेन ने रूस में किए गए इस ड्रोन हमले को ऑपरेशन स्पाइडरवेब नाम दिया है. जिसमें रूस का टीयू-95 और टीयू-22एम3 बॉम्बर्स एयरक्राफ्ट के साथ कम से कम एख ए-50 हवाई अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट भी शामिल है. जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन ने जिन रूसी विमानों पर ड्रोन हमले किए, उनकी कीमत करीब 2 बिलियन डॉलर (करीब 200 करोड़ डॉलर) थी.

बमवर्षक विमानों को नुकसान

एसबीयू अधिकारियों का कहना है कि हमले में रूस के रणनीतिक विमानों Tu-95, Tu-22 और दुर्लभ A-50 जासूसी विमान को क्षति पहुंची है। इनमें से Tu-95 पुराने लेकिन शक्तिशाली बमवर्षक हैं जो कई क्रूज मिसाइलें ले जा सकते हैं। वहीं, Tu-22 मिसाइल कैरियर है जो उच्च गति से उड़ान भरने में सक्षम है। A-50 विमान, जिसकी कीमत लगभग 350 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट बताई जाती है, रूस की वायु निगरानी प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रूस की चुप्पी और बदलती जानकारी

फिलहाल रूस या किसी स्वतंत्र स्रोत से हमले की पुष्टि नहीं हुई है। जानकारों का मानना है कि यदि यूक्रेन के दावे सही हैं, तो यह रणनीतिक दृष्टिकोण से रूस के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। यूक्रेन ने संकेत दिया है कि उसके ड्रोन हमले आगे भी जारी रहेंगे और वह अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करता रहेगा।

शर्मिष्ठा मामले पर कोलकाता पुलिस बोली- 'कई नोटिस दिए, लेकिन हर बार हुई फरार'

कोलकाता। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर कोलकाता पुलिस ने रविवार (01 जून, 2025) को कहा कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट से शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही है. वहीं, पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इसे सेलेक्टिव कार्रवाई करार दिया है. कोलकाता पुलिस ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति व्यक्त करना एक ऐसी चीज है, जिसका हर नागरिक और संगठन समर्थन करता है. कोलकाता पुलिस भी इससे अलग नहीं है, वह भारत के नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ी है. पुलिस की तरफ से कहा गया कि आरोपी के खिलाफ गार्डेनरीच थाने में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनका वीडियो भारत के नागरिकों के एक वर्ग की धार्मिक आस्था का अपमान करता है और विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य और घृणा को बढ़ावा देने वाला है. मामला भारतीय न्याय संहिता की उचित धारा के तहत दर्ज किया गया था. उन्होंने कहा कि इस मामले की विधिवत जांच की गई और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आरोपी को बीएनएसएस की धारा 35 के तहत नोटिस देने के कई प्रयास किए गए, लेकिन हर बार वह फरार पाई गई. इसके बाद सक्षम न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया और आरोपी को गुरुग्राम से वैध तरीके से गिरफ्तार किया गया. उसके बाद मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार ट्रांजिट रिमांड ली गई. बाद में आरोपी को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

लॉटरी में जीते 30 करोड़, प्रेमिका को सौंपे – वह दूसरे प्रेमी संग हुई फरार

कनाडा/नई दिल्ली। कनाडा के विनिपेग शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति को अपने प्रेम संबंध में भारी विश्वासघात का सामना करना पड़ा। कैंपबेल नामक युवक ने जब 2024 में 5 मिलियन कनाडाई डॉलर (लगभग 30 करोड़ रुपये) की लॉटरी जीती, तो उसने यह राशि अपनी प्रेमिका क्रिस्टल एन मैके के नाम कर दी। लेकिन कुछ ही समय बाद प्रेमिका उक्त राशि लेकर किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई।

कैंपबेल के पास वैध सरकारी पहचान पत्र और बैंक खाता नहीं था, जिसके चलते उन्होंने लॉटरी अधिकारियों की सलाह पर अपनी प्रेमिका को नामित किया। सारा इनाम क्रिस्टल के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया और दोनों ने साथ में जश्न मनाते हुए वीडियो और तस्वीरें भी साझा कीं।

कैंपबेल का दावा है कि पुरस्कार राशि मिलने के कुछ समय बाद से ही क्रिस्टल का व्यवहार बदलने लगा। वह धीरे-धीरे उनसे दूरी बनाने लगी और अंततः एक नए प्रेमी के साथ चली गई। कैंपबेल ने इस धोखाधड़ी को लेकर न केवल क्रिस्टल पर, बल्कि लॉटरी एजेंसी पर भी मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि एजेंसी ने उन्हें धोखाधड़ी के संभावित खतरे से आगाह नहीं किया।

वहीं क्रिस्टल ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया है कि उन्होंने जो भी किया, वह कानूनी रूप से किया गया है। यह मामला सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, और इससे एक बार फिर यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या प्यार और पैसे का मेल वाकई संभव है।

असम से सिक्किम तक 'जल प्रलय', 30 की मौत

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाढ़ आ गई है. बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्वी राज्यों में सड़क परिवहन, रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं. वहीं, असम, त्रिपुरा, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण 30 लोगों की जान जा चुकी है. भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में पश्चिमी त्रिपुरा और खोवाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. इसके अलावा बाढ़ के कारण सड़क परिवहन, भूस्खलन, फसलों की बर्बादी और राज्यों में बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर चेतावनी दी है. त्रिपुरा में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को लेकर देखते हुए कुल 1300 परिवारों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है. इसके अलावा इम्फाल में सुरक्षा बलों के जवान बारिश और बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में जुटी है. उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाढ़ की स्थिति को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने असम, मणिपुर, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से स्थिति की जानकारी ली।

अमृतसर में BSF को कामयाबी, पाक से भेजे गए 4 ड्रोन और ड्रग्स बरामद

नई दिल्ली। पंजाब में बीएसएफ को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अमृतसर और तरनतारन जिलों में सीमा सुरक्षा बल (BSF) के सतर्क जवानों ने पाकिस्तान से भेजे गए चार ड्रोन और दो हेरोइन के पैकेट बरामद किए हैं। यह कार्रवाई एक ही दिन में की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए होने वाली बड़ी तस्करी की कोशिश नाकाम कर दी गई। ड्रोन से हेरोइन की खेप भारत भेजने की इस साजिश को बीएसएफ की सूझबूझ और तकनीकी सहायता से विफल किया गया।

सुबह के समय बीएसएफ के जवान अमृतसर के रत्तंखुर्द गांव के पास गश्त कर रहे थे। वहां एक खेत में उन्हें डीजेआई माविक 3 क्लासिक मॉडल का क्षतिग्रस्त ड्रोन पड़ा मिला। माना जा रहा है कि यह ड्रोन पाकिस्तान की ओर से हेरोइन तस्करी के लिए भेजा गया था। इसके कुछ घंटे बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने खेमेंकरन गांव के पास एक खेत की तलाशी ली। वहां एक और डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। साथ ही 532 ग्राम वजनी हेरोइन का एक पैकेट भी मिला। जांच में पुष्टि हुई कि यह खेप भी पाकिस्तान से भेजी गई थी।

धनोये खुर्द गांव में स्थानीय किसान की सतर्कता से एक और ड्रोन पकड़ने में सफलता मिली। किसान ने खेत में संदिग्ध वस्तु देख कर तुरंत बीएसएफ को सूचना दी। समय पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने ड्रोन जब्त कर लिया और तस्करों की योजना पर पानी फेर दिया। शाम के समय बीएसएफ और पुलिस ने डाल गांव के पास एक खेत में तलाशी अभियान चलाया।

एक हफ्ते में 1200 परसेंट बढ़ गए कोरोना के मामले

नई दिल्ली। भारत में एक्टिव कोविड-19 के मामलों की संख्या 3,000 पार कर गई है, जिसमें केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली कोविड की नई लहर में सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक शनिवार (31 मई, 2025) तक सुबह तक देश में 3,395 एक्टिव कोरोना केस थे, जिनमें पिछले सप्ताह से लगभग 1,200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. भारत में 22 मई को 257 सक्रिय मामले थे और 26 मई तक 1,010 एक्टिव केस थे. देश में शुक्रवार और शनिवार के बीच 685 नए कोरोना वायरस के मामले सामने आए. आंकड़ों के अनुसार भारत में सबसे अधिक प्रभावित राज्य केरल में शुक्रवार को 189 नए कोविड केस सामने आए और 1,336 एक्टिव केस हैं. इसके बाद महाराष्ट्र (467), दिल्ली (375), गुजरात (265), कर्नाटक (234), पश्चिम बंगाल (205), तमिलनाडु (185) और उत्तर प्रदेश (117) का नंबर है.

किराए की अवधि खत्म होने पर खाली करना होगा आवास

मध्यप्रदेश में लागू होगा नया किराएदारी अधिनियम

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य में नया किराएदारी अधिनियम लागू करने जा रही है, जिसका उद्देश्य मकान मालिक और किराएदार दोनों के अधिकारों की रक्षा करना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने अधिनियम का प्रारूप तैयार कर लिया है, जिसे आगामी विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। यह कानून शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों पर भी लागू होगा।

अनुबंध समाप्त होने पर मकान खाली करना होगा अनिवार्य

प्रस्तावित कानून के तहत, किराएदार को अनुबंध की अवधि पूरी होने पर मकान खाली करना अनिवार्य होगा। यदि किराएदार ऐसा नहीं करता है, तो मकान मालिक किराया प्राधिकारी से शिकायत कर सकता है, जिसके बाद बेदखली की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। हालांकि, आपदा जैसी स्थिति में किराएदार को राहत मिल सकती है, लेकिन किराया देना अनिवार्य रहेगा।

बिना अनुमति उप-किराएदार नहीं

नए कानून में प्रावधान किया गया है कि किराएदार बिना मकान मालिक की लिखित सहमति के किसी अन्य व्यक्ति को मकान किराए पर नहीं दे सकेगा। अनुबंध समाप्त होने के बावजूद यदि वह कब्जा बनाए रखता है, तो पहले दो महीने का दोगुना और उसके बाद चार गुना किराया देना होगा।

मकान मालिक के लिए भी नियम

मकान मालिक किराएदार को बिना पूर्व सूचना के परेशान नहीं कर सकेगा। मरम्मत या निरीक्षण के लिए परिसर में प्रवेश से पहले कम से कम 24 घंटे पहले सूचना देना अनिवार्य होगा। साथ ही जल, विद्युत, गैस, लिफ्ट, पार्किंग, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं में कोई बाधा नहीं डाली जा सकेगी। बिना अनुमति किराएदार के परिसर में प्रवेश की मनाही होगी।

यदि किराएदार की मृत्यु हो जाती है, तो उसका उत्तराधिकारी उसी किराए पर मकान में रह सकता है, लेकिन उसे भी सभी अनुबंध शर्तों का पालन करना होगा। विधेयक के अनुसार, प्रत्येक जिले में किराया अधिकरण (Rent Authority) की स्थापना की जाएगी। डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी को किराया प्राधिकारी बनाया जाएगा, जबकि किराया न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में कार्य करेगा। सभी शिकायतों का निपटारा 60 दिनों के भीतर किया जाएगा।

पंजाब ने रचा इतिहास, मुंबई को हरा 11 साल बाद पहुंची फाईनल

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है. अब आईपीएल 2025 के फाइनल में 3 जून को RCB और पंजाब किंग्स का आमना-सामना होगा. इस मैच में मुंबई की टीम ने पहले खेलते हुए 203 रन बनाए थे, इसके जवाब में पंजाब ने 19 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया. यह इतिहास में सिर्फ दूसरी बार है जब पंजाब किंग्स फाइनल मैच में पहुंची है. श्रेयस अय्यर ने नाबाद 87 रनों की पारी खेल पंजाब की जीत में बड़ी भूमिका निभाई.

अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में पंजाब किंग्स को 204 रनों का लक्ष्य मिला था. इसके जवाब में टीम की शुरुआत काफी खराब रही क्योंकि प्रभसिमरन सिंह केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए. प्रियांश आर्या और जोश इंग्लिश ने पारी को संभालना शुरू ही किया था, तभी प्रियांश 20 रनों की कैमियो पारी खेल आउट हो गए. देखते ही देखते पंजाब ने 72 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे.नेहल वाढ़ेरा और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभालते हुए 84 रनों की बेहतरीन पार्टनरशिप की.वाढ़ेरा ने 29 गेंद में 48 रन बनाए. कप्तान श्रेयस अय्यर एक छोर से डटे हुए थे, जिन्होंने 41 गेंद में नाबाद 87 रनों की पारी खेल पंजाब की ऐतिहासिक जीत में बड़ा योगदान दिया.

11 साल बाद फाइनल में पंजाब

पंजाब किंग्स ने अभी तक एकमात्र IPL फाइनल साल 2014 में खेला था. उस सीजन KKR ने पंजाब को 3 विकेट से हराकर ट्रॉफी से वंचित रख दिया था. श्रेयस अय्यर को जादूगर कहें या कुछ और, उन्होंने 11 साल बाद पंजाब के फाइनल खेलने के सपने को पूरा किया है. बताते चलें कि अय्यर का यह बतौर कप्तान 5 साल में तीसरा आईपीएल फाइनल होगा.अय्यर की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ने 2020 का फाइनल खेला. वहीं IPL 2024 में उन्हीं की कप्तानी में KKR ने ट्रॉफी जीती थी और अब पंजाब को फाइनल में पहुंचा कर उन्होंने इतिहास रच डाला है. IPL 2025 का फाइनल अब 3 जून को RCB और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा.

वार्नर का दावा- आरसीबी जीतेगी आईपीएल 2025

नई दिल्ली। आईपीएल फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहुंच गई है, अब पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस में से एक टीम दूसरी फाइनलिस्ट बनेगी. इससे पहले डेविड वार्नर ने आईपीएल विनर को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है. उन्होंने बताया है कि उनके अनुसार ट्रॉफी कौन सी टीम जीतेगी. उन्होंने ये भी बताया कि फाइनल में आरसीबी के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच कौन होगा. डेविड वार्नर ने अपनी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद को चैंपियन बनाया है, वह इस साल ऑक्शन में बिक नहीं पाए थे जिसके बाद वह पीएसएल में खेले थे. वार्नर से एक फैन ने सोशल मीडिया पर आईपीएल संबंधित सवाल पूछा कि, "आपको क्या लगता है, टाटा आईपीएल 2025 का चैंपियन कौन होगा?" इस पर वार्नर ने जवाब दिया.

आईपीएल के पहले संस्करण से अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन शानदार नजर आ रही है. बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग, हर क्षेत्र में टीम के प्लेयर्स कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं. आरसीबी ने क्वालीफ़ायर-1 में पंजाब को हराकर फाइनल में जगह पक्की की.डेविड वार्नर ने भविष्यवाणी करते हुए आरसीबी का नाम लिया. उन्होंने लिखा, "मुझे लगता है RCB और जोश हेजलवुड प्लेयर ऑफ़ द मैच." आईपीएल फाइनल मैच 3 जून को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होगा. जिसकी दूसरी फाइनलिस्ट आज होने वाले दूसरे क्वालीफ़ायर की विजेता होगी.आरसीबी ने अंक तालिका में अपना सफर दूसरे स्थान पर रहकर किया था. टीम ने 14 मैचों में से 9 जीते थे, उसके पहले नंबर पर मौजूद पंजाब के बराबर 19 अंक थे लेकिन नेट रन रेट में थोड़ी पीछे थी. विराट कोहली आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, उन्होंने 14 मैचों में 614 रन बनाए हैं. वह अभी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 5वें नंबर पर हैं, लेकिन अब ऑरेंज कैप नहीं जीत सकते. जोश हेजलवुड आरसीबी के लिए इस सीजन सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्होंने 11 मैचों में 21 विकेट लिए हैं. पर्पल कैप जीतने के लिए उन्हें फाइनल में 5 विकेट लेने होंगे, जो मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं.

मई 2025 में GST कलेक्शन से सरकार को हुई बंपर कमाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मई 2025 के लिए वस्तु एवं सेवा कर (GST) संग्रहण के आंकड़े जारी कर दिए हैं. सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने कुल GST कलेक्शन 2.01 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 16.4 फीसदी की सालाना वृद्धि को दिखाता है. हालांकि मासिक आधार पर इसमें कमी दर्ज की गई है, क्योंकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 2.37 लाख करोड़ रुपये था, जो अब तक का ऑल टाइम हाई रहा है. यानी अप्रैल की तुलना में मई में GST कलेक्शन में करीब 36,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 में केंद्र सरकार को 35,434 करोड़ रुपये, जबकि राज्य सरकारों को 43,902 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है. इसके अलावा 1.09 लाख करोड़ रुपये का इंटीग्रेटेड GST (IGST) और 12,879 करोड़ का उपकर (cess) संग्रहित हुआ है. कुल मिलाकर यह संग्रहण भारत के कर प्रणाली की मजबूती और आर्थिक गतिविधियों में निरंतर सुधार का संकेत देता है।

विराट-पाटीदार नहीं, कार्तिक हैं RCB के असली हीरो

नई दिल्ली। इस बार बेंगलुरु की टीम हर तरह से संपन्न दिखी है. आईपीएल 2025 में RCB की कप्तानी रजत पाटीदार को मिली थी. काफी लोग बेंगलुरु की सफलता के लिए पाटीदार की कप्तानी को क्रेडिट दे रहे हैं. इस बार आरसीबी की सफलता का केंद्र बॉलिंग यूनिट भी रही है क्योंकि जोश हेजलवुड, कुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार अब तक मिलकर 51 विकेट चटका चुके हैं. मगर RCB की सफलता के असली हीरो दिनेश कार्तिक प्रतीत होते हैं, यहां जानिए कैसे? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को एक बेहतरीन टीम बनाने में दिनेश कार्तिक का बड़ा योगदान रहा है. उन्होंने 2024 सीजन के समापन के बाद IPL से रिटायरमेंट ले ली थी, लेकिन संन्यास के बाद वो आरसीबी टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर बने. कार्तिक, बेंगलुरु के मैचों में कई बार खिलाड़ियों को टिप्स देते हुए नजर आए हैं. इंडिया टुडे में छपी एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि कार्तिक ने आईपीएल 2025 में RCB की मजबूत टीम का गठन करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई. वहीं ऑक्शन में भी खिलाड़ियों की खरीद में इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अहम भूमिका निभाई थी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब अपना चौथा IPL फाइनल खेलने जा रही है. बेंगलुरु ने 2009, 2011 और 2016 में फाइनल खेला है, लेकिन तीनों मौकों पर उसे हार झेलनी पड़ी थी. अब रजत पाटीदार की कप्तानी और दिनेश कार्तिक की मेंटॉरशिप वाली यह टीम अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने से एक कदम दूर है.

रिंकू सिंह का रिश्ता पक्का, IPL के बाद लेंगे सात फेरे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं. रिंकू की शादी समाजवादी पार्टी (SP) की सांसद प्रिया सरोज से होने वाली है. भारत के स्टार खिलाड़ी का रिश्ता पक्का हो गया है. रिंकू सिंह, प्रिया सरोज के साथ आईपीएल 2025 के बाद इसी महीने जून में सगाई करेंगे और इस साल के आखिर में इस कपल की शादी होगी. रिंकू सिंह की शादी की डेट से लेकर वेन्यू तक सबकुछ फाइनल हो गया है. रिंकू सिंह 8 जून को लखनऊ के फाइव स्टार होटल में सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई करने जा रहे हैं. वहीं इस साल 18 नवंबर को ये कपल शादी के बंधन में बंध जाएगा. रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी का वेन्यू वाराणसी का ताज होटल फाइनल किया गया है. रिंकू सिंह की शादी की चर्चा जनवरी में ही शुरू हो गई थी. उस वक्त प्रियो सरोज के पिता ने बताया था कि रिंकू सिंह के पिता के साथ इन दोनों की शादी को लेकर चर्चा हुई है.

म्यूचुअल फंड निवेश में भी कट जाते हैं आपके पैसे

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड (Mutual Funds) को निवेश का एक स्मार्ट और सुविधाजनक विकल्प माना जाता है, जहां आपके पैसे का प्रबंधन विशेषज्ञ फंड मैनेजर्स द्वारा किया जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके द्वारा निवेश की गई राशि से कुछ शुल्क भी काटे जाते हैं।

जब आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो आपका पैसा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) को सौंपा जाता है. यह कंपनी उस स्कीम के लिए एक फंड मैनेजर नियुक्त करती है, जो एक एक्सपर्ट टीम की सहायता से बाजार का विश्लेषण कर आपके पैसे को अलग-अलग शेयरों, बॉन्ड्स या अन्य निवेश विकल्पों में लगाता है. इस पूरी प्रक्रिया में लागत आती है, जिसे पूरा करने के लिए AMC निवेशकों से अलग-अलग तरह के शुल्क लेती है.

1. एंट्री लोड (Entry Load)

यह वह शुल्क है, जो पहले म्यूचुअल फंड की यूनिट खरीदते समय निवेशकों से वसूला जाता था. लेकिन अच्छी खबर यह है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने 2009 में इक्विटी म्यूचुअल फंड पर एंट्री लोड पूरी तरह खत्म कर दिया है. यानी अब आपको फंड में प्रवेश के समय कोई शुल्क नहीं देना पड़ता.

2. एग्जिट लोड (Exit Load)

अगर आप म्यूचुअल फंड की यूनिट्स को तय समय से पहले बेचते हैं या रिडीम करते हैं, तो आपको एग्जिट लोड देना पड़ सकता है. यह शुल्क फंड हाउस द्वारा इसीलिए लगाया जाता है ताकि निवेशक लंबे समय तक निवेशित रहें. यह स्कीम के आधार पर बदलता है और आमतौर पर 0.25 फीसदी से 4 फीसदी तक हो सकता है.

3. मैनेजमेंट शुल्क (Expense Ratio)

यह सबसे अहम शुल्क है जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता. फंड मैनेजर और उनकी टीम की सेवाओं के लिए AMC यह शुल्क लेती है. इसे एक्सपेंस रेश्यो कहा जाता है, जो सालाना आधार पर कुल निवेश राशि का एक निश्चित प्रतिशत होता है. यह शुल्क आपकी कुल होल्डिंग से हर दिन प्रॉपोर्शनली काटा जाता है.

4. अकाउंट फीस (Account Fees)

कुछ AMC निवेशकों से अकाउंट फीस भी लेती हैं, खासकर तब जब निवेशक न्यूनतम बैलेंस या SIP राशि को बनाए नहीं रखते हैं. यह शुल्क सीधे निवेशक के पोर्टफोलियो से घटा दिया जाता है, इसलिए इसे जानना और ट्रैक करना जरूरी है.

5. सर्विस और डिस्ट्रीब्यूशन चार्जेज

AMC को अपनी सेवाओं की मार्केटिंग, दस्तावेजों की प्रिंटिंग, मेलिंग आदि जैसे कार्यों में भी खर्च होता है. इन खर्चों की भरपाई के लिए सर्विस और डिस्ट्रीब्यूशन चार्ज लगाए जाते हैं.

6. स्विच फीस (Switch Fees)

अगर आप एक फंड से दूसरे फंड में स्विच करना चाहते हैं, तो कुछ योजनाओं में आपको स्विच फीस चुकानी पड़ सकती है. हालांकि, कई स्कीमें यह सेवा मुफ्त भी देती हैं, इसलिए स्कीम चुनने से पहले इसकी शर्तें पढ़ना जरूरी है.

गिल से हाथ न मिलाने पर हार्दिक ने दी सफाई

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर बाहर किया और अब फाइनल में जाने के लिए पंजाब किंग्स से भिड़ेगी. इस एलिमिनेटर मैच का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, जिसमें दिखा था कि टॉस होने के बाद दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया. ऐसा लग रहा था मानो, पांडया तो हाथ बढ़ाने वाले थे लेकिन गिल मुंह फेर के निकल गए. इसके बाद जब गिल का विकेट गिरा, तब पांडया काफी गुस्से में चिल्लाते हुए गिल के पास से निकले. इन वीडियो के वायरल होने के बाद फैंस कयास लगा रहे थे कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है. आपको बता दें कि गिल पांडया की कप्तानी में 2 सीजन खेल चुके हैं, उनके मुंबई में लौटने के बाद ही गिल को गुजरात का नया कप्तान बनाया गया था. दोनों के बीच अनबन की ख़बरों को लेकर गिल ने चुप्पी तोड़ी थी. उन्होंने इन्हे नकार दिया था और एक पोस्ट भी शेयर किया था।

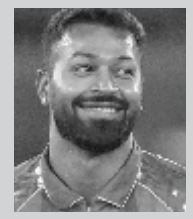

भूपेश के बयान पर गरमाई सियासत

बीजेपी बोली- 'आतंकी पीड़ित है' कहना शर्मनाक, कांग्रेस ने कहा- चिमनानी ENT डॉक्टर करें चेक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में सियासी जंग छिड़ गई है। भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने बघेल के उस बयान को लेकर सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर कहा था कि मोदी आतंकित परिवारों से मिलने नहीं गए। चिमनानी ने इस बयान को आतंकियों को पीड़ित बताने जैसा करार दिया और कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल खड़े किए।

बीजेपी ने कसा तंज, कहा- कांग्रेस की सोच पर बड़ा सवाल

अमित चिमनानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि, "पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कह रहे हैं आतंकी पीड़ित हैं? पूरा देश आतंकवाद से पीड़ित है, लेकिन नक्सलियों और आतंकवादियों के नाम के आगे 'जी' लगाने वाले लोग आज आतंकियों को ही पीड़ित बता रहे हैं।" उन्होंने कहा कि यह बयान न केवल देशवासियों के लिए हैरानी की बात है, बल्कि कांग्रेस की पूरी विचारधारा पर भी गंभीर प्रश्न चिन्ह लगाता है। चिमनानी ने कांग्रेस नेताओं के नक्सलियों और आतंकवादियों के प्रति सद्भावना दिखाने के आरोप लगाते हुए कहा कि देश के लोग आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता लगातार ऐसी बयानबाजी कर देश को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस को अपनी भावना स्पष्ट करनी चाहिए कि वे आतंकवाद के खिलाफ हैं या नहीं।"

कांग्रेस ने पलटवार किया, चिमनानी को ENT डॉक्टर दिखाने की सलाह

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने अमित चिमनानी के आरोपों को निराधार बताते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहा, "चिमनानी आतंकित शब्द को आतंकी समझकर झूठा भ्रम फैला रहे हैं। उन्हें ENT डॉक्टर की आवश्यकता है ताकि वे ठीक से सुन सकें।" विकास ने कहा कि भूपेश बघेल ने स्पष्ट कहा था कि कश्मीर में आतंकित लोग हैं, उनसे प्रधानमंत्री मिलने नहीं गए, जिसका मतलब आतंकियों से नहीं है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा नेताओं को झूठ बोलने और अपवाह फैलाने की बीमारी बताया। उन्होंने कहा, "यह बीमारी लाइलाज है, जिसका कोई इलाज नहीं है। भाजपा को यह भी बताना चाहिए कि मोदी साहब आतंक से पीड़ित परिवार से मिलने क्यों नहीं गए।"

विकास तिवारी ने चिमनानी को फोरेंसिक जांच कराने की चुनौती दी कि वे खुद वीडियो की सच्चाई सामने लाएं कि बघेल ने 'आतंकित' कहा था या 'आतंकी'। उन्होंने कहा, "मैं उनके ENT इलाज का खर्चा उठाने को तैयार हूं, ताकि वे सही सुन सकें और भ्रम न फैलाएं।"

राजनीति की सियाही में छुपा बड़ा सवाल

इस विवाद के बीच भूपेश बघेल ने हाल ही में भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा बंधुआ मजदूरों की पार्टी है और संविधान बचाने की लड़ाई जारी है। कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' के दौरान बालोद में उन्होंने कहा कि संविधान ने हमें अधिकार और लोकतंत्र की नींव दी है, जिसे आज बचाना जरूरी है।

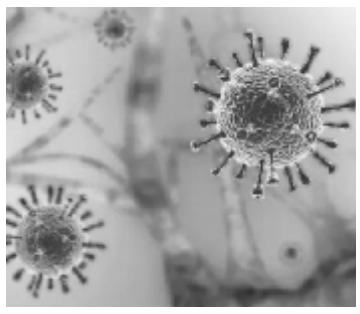

मेकाहारा की नर्स समेत रायपुर में मिले तीन नए कोरोना के मरीज

रायपुर। राजधानी में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 5 हो गई है। आज तीन और मरीज मिले है। इसके साथ ही रायपुर में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 4 हो गई है, जबकि पूरे प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या अब 5 हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, आज के दोनों संक्रमितों में एक पुरुष (74 वर्ष) और एक महिला (42 वर्ष) शामिल हैं। पुरुष टाटीबंद महिला प्रेम नगर, मोवा इलाके की निवासी है। ये न कहीं बाहर से आए न बाहर के निवासी हैं। इससे संक्रमण के स्थानीय स्तर पर फैलने की आशंका भी जताई जा रही है। इनमें से एक मरीज़ की पहचान एम्स ओपीडी में दूसरी संक्रमित महिला मेकाहारा की नर्स है। इस खबर को अध्ययन करके विस्तार पूर्वक आकड़ो के साथ नया खबर बनाकर प्रस्तुत कीजिये।

कुम्हारी टोल प्लाजा बंद करने की मांग तेज़

विकास उपाध्याय ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

रायपुर। रायपुर और दुर्ग के बीच स्थित कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद करने की मांग को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने रविवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नागपुर में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यह टोल नाका मंत्रालय के मानकों का उल्लंघन करते हुए संचालित हो रहा है। इस पर मंत्री गडकरी ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विकास उपाध्याय ने कहा कि कुम्हारी टोल प्लाजा 60 किलोमीटर की निर्धारित दूरी सीमा के भीतर आता है, जबकि नियमों के अनुसार दो टोल नाकों के बीच कम से कम 60 किलोमीटर की दूरी अनिवार्य है। इसके बावजूद रायपुर से दुर्ग की कुल 54 किलोमीटर दूरी में तीन टोल प्लाजा संचालित किए जा रहे हैं—मंदिर हसौद (किमी 258), कुम्हारी (किमी 281) और दुर्ग (किमी 312)। यह स्पष्ट रूप से मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

लंबे समय से चल रहा विरोध

विकास उपाध्याय ने बताया कि कुम्हारी टोल प्लाजा की समय-सीमा पूरी हो चुकी है, इसके बावजूद वर्षों से जबरन टोल वसूली की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वे लंबे समय से आंदोलनरत हैं और कई बार जनप्रतिनिधियों से भी समर्थन मांगा गया है।

दिल्ली और नागपुर में करेंगे प्रदर्शन

पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कुम्हारी समेत अन्य अवैध टोल प्लाजा बंद नहीं किए गए, तो दिल्ली के जंतर मंतर में धरना दिया जाएगा। साथ ही, केंद्रीय मंत्री गडकरी के संसदीय क्षेत्र नागपुर में भी प्रदर्शन किया जाएगा। विकास ने कहा कि कम दूरी में कई टोल प्लाजा होने से जनता को भारी वित्तीय बोझ उठाना पड़ रहा है। यह आम नागरिकों के साथ अन्याय है और इसके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

नौकरी देने नहीं नौकरी छीनने वाली है भाजपा सरकारः वर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रदेश में 9000 से अधिक पदों पर शिक्षकों की भर्ती के दावे को पूरी तरह से झूठ और निराधार बताते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की सरकार शिक्षा विरोधी है, सरकारी शिक्षण संस्थानों को बर्बाद करने का षड्यंत्र कर रही है। शिक्षा विभाग में हर माह हजारों की संख्या में शिक्षक रिटायर हो रहे हैं लेकिन 17 महीने की साय सरकार के दौरान एक भी पद पर नियमित शिक्षक की भर्ती नहीं की गई, उल्टे बस्तर, सरगुजा के दुरुस्त अंचलों में वर्षों से सेवा दे रहे विद्या मितान, अतिथि शिक्षक और संविदाकर्मी हजारों की संख्या में निकाल दिए गए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी को केवल मिस्ड कॉल करने वाले कार्यकर्ता चाहिए, जो सवाल न पूछे ऐसी जनता चाहिए और इसीलिए भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करना चाहती है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर प्रदेश के 10463 स्कूल सीधे तौर पर बंद कर दिया गया, नए फरमान जारी कर सेटअप के नाम पर स्कूलों में शिक्षक के न्यूनतम पदों की संख्या घटा दी गई, छात्र शिक्षक अनुपात को बढ़ाकर शिक्षकों के कुल पदों में से एक तिहाई पद को समाप्त कर दिया गया, जिसके चलते जो युवा डीएड, बीएड प्रशिक्षित प्रतिभागी जो सरकारी सेवा में शिक्षक के रूप में चयनित होने तैयारी कर रहे हैं, उनके रोजगार के अधिकार को बाधित कर रही है साय सरकार। सरकार के दुर्भावना के चलते सीधे तौर पर लगभग 45 हजार से अधिक शिक्षकों के पद विलोपित किये जा रहे है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि जिस तरह से पूर्ववर्ती रमन सिंह की सरकार में 3000 से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद किया गया, प्रत्येक जिलों में संचालित मॉडल स्कूलों को निजी क्षेत्र की संस्था डीएवी को बेचा गया, उसी तर्ज पर वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार एक बार फिर युक्तिकरण और नए सेटअप के नाम पर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर रही है। सरकार की दुर्भावना के चलते प्रदेश के शिक्षक, छात्र, पालक और शिक्षाविद सभी दुखी है।

शनिवार अवकाश को खत्म करना भाजपा की तानाशाही

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अजय गंगवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सांय सरकार बहुत जल्द सरकारी विभागों में शनिवार की छुट्टी को समाप्त करने के तुगलकी फरमान को बिना कर्मचारी संगठनों के चर्चा के, बिना उनसे राय लिए और बिना उनको विश्वास में लिए कर्मचारियों पर थोपने की पूरी तैयारी कर चुकी है. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अजय गंगवानी ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने एक रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेज दी है कि सरकारी कर्मचारियों को शनिवार को भी काम करना चाहिए, बहुत जल्द ही सांय सरकार छत्तीसगढ़ में सारे सरकारी विभागों में इस तानाशाही से भरे निर्णय को अमली जामा पहनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है यह आदेश पुलिस विभाग और मंत्रालय में पहले ही लागू हो चुका है बाकि सरकारी विभागों में बहुत जल्दी लागू कर दिया जाएगा. केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है केंद्रीय कर्मचारियों को शनिवार और रविवार को अवकाश मिलता है, देश के बहुत सारे भाजपा शासित राज्यों में सरकारी कर्मचारियों को शनिवार और रविवार को अवकाश की सुविधा प्राप्त है, फिर आखिर भाजपा का ये दोहरा चरित्र क्यों?

भाजपा सरकार की दुर्भावना के चलते तेंदूपत्ता संग्राहकों को हो रहा है भारी नुकसान - बैज

रायपुर। प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्रहण में कमी को भाजपा सरकार का आदिवासी विरोधी षडयंत्र करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा की सरकार नहीं चाहती थी बस्तर के आदिवासियों से पूरा तेंदूपत्ता खरीदा जाए। यही कारण है कि सरकार ने वन प्रबंधन समितियां के माध्यम से खरीदी को बंद करके, सीधे वन विभाग के माध्यम से खरीदने का फैसला किया और समितियां से जुड़े आदिवासियों को पूरी प्रक्रिया से बाहर कर दिया। बस्तर संभाग के चार प्रमुख जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य लक्ष्य से मात्र 45 प्रतिशत है। पिछले साल इन्हीं चार जिलों के ही संग्राहकों को 155 करोड रुपए के पारिश्रमिक दिया गया था, लेकिन इस वर्ष इन जिलों में कुल भुगतान आधे से भी कम है।

दीपक बैज ने कहा है कि साय सरकार की आदिवासी विरोधी षड़यंत्र का प्रमाण इसी सरकार के द्वारा प्रदर्शित आंकड़ों से स्पष्ट है। बस्तर संभाग के चार जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के लिए इस वर्ष 2 लाख 70 हजार 600 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से अब तक मात्र 46 प्रतिशत ही खरीदी हो पाई है। इस वर्ष जो सरकार की अकर्मण्यता से खरीदी धीमी कर दी गई और समय पूर्व आंधी बारिश के चलते आदिवासियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार तेंदूपत्ता खरीद नहीं रही, ऊपर से मौसम की मार, आदिवासी दोनों तरफ से नुकसान उठाने बाध्य है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि इस सरकार की मंशा पूरी तरह से आदिवासी विरोधी है, सरकार द्वारा किए जा रहे तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान बेवजह संग्राहकों को परेशान किया गया, गुणवत्ता में कमी और आदिवासियों द्वारा संग्रहीत तेंदूपत्ते की मोटाई ज्यादा बता कर बंडल के बंडल को खारिज किया जा रहा है। आदिवासियों के मेहनत को अपमानित करने का काम बीजेपी की सरकार कर रही है। खुद के द्वारा तय लक्ष्य को भी यह सरकार पूरा नहीं कर पा रही है, बस्तर संभाग के ही तेंदूपत्ता संग्राहकों को इस बार सरकार की बदनीयती, दुर्भावना, उपेक्षा के चलते कम से कम 100 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

किसानों को डीएपी खाद सोसायटी में नहीं मिल रहा

रायपुर। किसानों को सोसायटी में डीएपी खाद नहीं मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि किसानों को डीएपी खाद सोसायटी में नहीं मिल रहा है, जबकि किसान धान बोवाई के समय सोसायटी में केसीसी के जरिये कृषि कार्य के लिए नगद राशि एवं खाद कर्ज के रूप में लेते है। किसान सोसायटी में खाद के लिये चक्कर लगा रहे हैं। मार्कफेड और सहकारिता के अधिकारियों ने इस खरीफ सीजन में डीएपी खाद उपलब्ध कराने से हाथ खड़ा कर दिये हैं। रूस यूक्रेन युद्ध का बहाना बनाकर सरकार की लापरवाही पर पर्दा कर रहे हैं। डीएपी खाद नही मिलने के कारण बोआई प्रभावित हो रही है। धान की बोआई के समय डीएपी खाद का उपयोग किया जाता है, डीएपी खाद से धान के पौधे का विकास होता है और उपज बढ़ता है। बोआई में देरी के कारण धान उत्पादन में कमी आयेगी। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि असल मायने में भाजपा सरकार की किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने में सांस फूल रही है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत मंत्री-विधायकों ने चलाई सायकल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने लिया रैली में हिस्सा

शहर सत्ता/रायपुर। विश्व सायकल दिवस (3 जून) के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आज रविवार, 1 जून को सुबह साढ़े 7 बजे रायपुर के मरीन ड्राइव, तेलीबांधा से एक भव्य सायकल रैली का आयोजन किया गया। सायकल रैली में छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू और गुरु खुशवंत साहेब रैली में शामिल होकर लोगों को साइकिल चलने की लिए प्रेरित किया। रैली मरीन ड्राइव से शुरू होकर शहीद भगत सिंह चौक, कलेक्ट्रेट चौक तक गई और फिर वहीं से यू-टर्न लेकर मरीन ड्राइव में संपन्न हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा, "स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों को फिट रहने के लिए यह सायकल रैली आयोजित की गई है। हम सभी को हर रविवार सायकल चलाने की आदत डालनी चाहिए। यह एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय है स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को बेहतर बनाने का।" इस आयोजन में एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे, जिला स्तर के अधिकारी, छत्तीसगढ़ बाइसाइकिल एसोसिएशन के राइडर्स, स्कूली छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, युवा और आम नागरिक उपस्थित रहे।

सायकल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है जो हृदय, फेफड़ों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है।

साथ ही, यह एक पर्यावरण हितैषी परिवहन साधन है, जिससे कोई प्रदूषण नहीं होता और ईंधन की भी बचत होती है। सायकल न केवल फिटनेस बढ़ाता है, बल्कि ट्रैफिक और भीड़-भाड़ से बचने में भी मदद करता है। इसकी लागत भी कम होती है और यह शहरी जीवनशैली के लिए एक व्यवहारिक विकल्प बनता जा रहा है।

डॉग एवं बर्ड सेंटर पर राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड ने की जांच

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के संयुक्त संचालक डॉ. आर. के. सोनवाने, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. इला धुरंधर सहित बोर्ड के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा रायपुर जिले में संचालित पालतु पशु दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फाफाडीह चौक, डागा पेट्रोल पंप के सामने मेहंदी बर्ड्स हाउस, अली बर्ड्स सेंटर, गरीब नवाज बर्ड एवं फिश शॉप तथा के.जी.एन. डॉग एवं बर्ड सेंटर का जायजा लिया साथ ही समझाइश दी गई।

निरीक्षण टीम ने पाया कि कुछ दुकानों में पेट शॉप नियम 2018 के अनुरूप आवश्यक सुविधाओं का पालन नही कर रहे है। इस पर सभी दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे आगामी 7 दिन के भीतर नियमों का पूर्ण पालन करते हुए पशुओं के रख-रखाव हेतु न्यूनतम स्थान एवं अन्य अनिवार्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, जिससे यातायात प्रभावित ना हो।

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयावधि में आवश्यक सुधार नहीं किए गए, तो नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित दुकानों का पंजीयन निरस्त कर दिया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम 2.0' में लगाए जाएंगे 2.75 करोड़ पौधे

रायपुर। 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत प्रदेश में करीब दो करोड़ 75 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता वन विभाग के नर्सरियों और विभागीय स्त्रोतों से सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज मंत्रालय में आयोजित बैठक में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की गहन समीक्षा की। बैठक में अभियान के तहत शासकीय विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण के निर्देश दिए गए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में अधिकारियों से 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करने वालों को उस पौधे के ग्रोथ की निगरानी से जोड़ें, जिससे वृक्षारोपण के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य महाविद्यालयों से अनेक लोग निकलकर आज कामयाबी के शिखर पर हैं। इन सभी संस्थाओं को ऐसे लोगों को संस्था में वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान अवश्य आमंत्रित करना चाहिए।

आरबीसी 6-4 के तहत कलेक्टर ने मंजूर की मुआवजा राशि

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन आपदा और दुर्घटनाओं के मामलों में तेजी से कार्रवाई कर रही है। आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में जान गंवाने वाले जिले के सात मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। बीरगांव निवासी नदीम अंसारी, ग्राम पारागांव, आरंग निवासी श्रीमती मयाबाई, ग्राम मोहदा, तिल्दा निवासी सुनील कुमार साहू, ग्राम कुंदरु, तिल्दा निवासी चिंतु राम साहू एवं ग्राम लखना, तिल्दा निवासी श्री खेमचंद साहू (पानी में डूबने से मृत्यु) तथा दोंदेकला निवासी कमलेश कोशले, (आग में झुलसने से मृत्यु) तथा खरोरा निवासी केजुराम (बिच्छू दंश से मृत्यु) के परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

- **मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता**

विश्व पर्यावरण दिवस के तहत कार्यक्रम आयोजित

NIT रायपुर में वाकेथान और शपथ समारोह

शहर सत्ता/रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 31 मई से 5 जून 2025 तक सप्ताह भर चलने वाली विविध गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। यह गतिविधियां माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए "मिशन लाइफ" के उपलक्ष्य में, शिक्षा मंत्रालय एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित की जाएगी। इस वर्ष का विषय "वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" रहेगा, जिसके अंतर्गत संस्थान द्वारा सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत 31 मई 2025 को वॉकाथॉन और शपथ समारोह से हुई, जो संस्थान के मुख्य भवन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) तथा वार्ड क्रमांक 20, कोटा, रायपुर के पार्षद अमन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डी. सी. झारिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. गोविंद पी. गुप्ता, डॉ. देबाशीष मिश्रा, संकाय सदस्य, कर्मचारी, स्कॉलर और छात्र उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागी इस वॉकाथॉन में उत्साहपूर्वक शामिल हुए और प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ ली। इस दौरान प्लास्टिक छोड़ो और प्रकृति से नाता जोड़ो, हम सबका एक ही नारा प्लास्टिक मुक्त हो देश हमारा और प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ जैसे नारे लगाए गए|

संस्थान 31 मई से 5 जून तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से "विश्व पर्यावरण दिवस 2025" का आयोजन करेगा। कार्यक्रम की शुरुआत 31 मई को एक जागरूकता वॉकथॉन और शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग एवं 'वेस्ट आउट ऑफ बेस्ट' प्रतियोगिताएं 2 जून को आयोजित की जाएंगी, जिसके पश्चात 3 जून को स्वच्छता अभियान और हैकाथॉन आयोजित होंगे। 4 जून को प्लास्टिक उद्योग भ्रमण और विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तावित है। 5 जून को ग्रीन चैंपियन सम्मान , पुरस्कार वितरण तथा शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

अपनी अदाकारी से संवारेंगे छत्तीसगढ़ का फ़िल्मी भविष्य

- लोकप्रिय होते छत्तीसगढ़ के चाइल्ड आर्टिस्ट
- एक्टिंग के साथ स्टडी के लिए भी हैं गंभीर
- पैरेंट्स, टीचर्स और फ्रेंड्स का मिल रहा सपोर्ट

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

आंख चौंधिया देने वाली लाइट्स, तेज आवाज़ और अपने सशक्त किरदार के बीच पूरी शिद्दत से पढाई करने वाले छत्तीसगढ़ी फिल्म इडस्ट्रीज के बाल कलाकार काफी लोकप्रिय हैं। कच्ची उम्र, फिल्म शूट पर लोगों का दुलार और खुद मुख्त्यारी से छोटे भी बड़े सपने संजोने लगे हैं। शहर सत्ता के कला समीक्षक पुरन किरी ने क्षेत्रीय फिल्मों में अपना मुकाम हासिल कर चुके चाइल्ड आर्टिस्ट से जब रूबरू हुए तो उन्हें भी लगा हमारा छत्तीसगढ़ का फ़िल्मी भविष्य सुनहरा होगा...प्रस्तुत है बाल कलाकारों से उन्हीं की जुबानी उनकी कहानी।

मेरा नाम: **अक्षर प्रशांत गुप्ता** है और मैं कक्षा चौथी में हूं। फिल्मों का मेरा पहला अनुभव चंदामामा फिल्म में हुआ। जिसमें मोहित मामाजी के साथ काम किया और निर्देशन अभिषेक सर का था। यह अनुभव बहुत ही मजेदार और खास रहा। इसी फिल्म के लिए मुझे 2024-2025 में सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का पुरस्कार मिला। मैं 2022 में रायपुर में छत्तीसगढ़ का छोटा आइकॉन भी बन चुका हूँ, जो मेरी पहली बड़ी उपलब्धि रही। मैंने अब तक 5-6 फिल्मों और ब्रांड शूट्स (जैसे किलर ब्रांड) में काम किया है। साथ ही 2022 में IKFW पुणे में रैम्प वॉक किया। मेरे शिक्षक और प्राचार्य हमेशा मुझे प्रेरणा और आशीर्वाद देते हैं। पिछले 3 सालों से मुझे बेस्ट स्टूडेंट अवॉर्ड भी मिला है, जिससे मेरी स्कूल में अलग पहचान बनी है। मैं एक फेमस एक्टर बनना चाहता हूँ, लेकिन जो किस्मत तय करेगी, उसे अपनाने के लिए तैयार हूँ। शूटिंग के दौरान अक्सर बच्चों का ख्याल रखा जाता है, लेकिन कभी-कभी ऐसा नहीं भी होता। अगर पसंद है तो इस फील्ड में जरूर आना चाहिए। क्योंकि यह मंच नाम, पहचान और आत्मनिर्भरता देता है। हम कम उम्र में ही स्कूल की फीस तक खुद कमा सकते हैं।

आराध्या साहू, कक्षा- दूसरी कसडोल बलौदाबाजार की हैं और पिता का नाम सुनिल साहू है। छत्तीसगढ़ी फ़िल्म कुरुक्षेत्र से शुरुवात.बचपन से ही इंस्टाग्राम पर रिल्स बना कर चहुरमुखी प्यार और मिलियन्स व्यूस पाने के बाद माता पिता ने इनके अंदर के कलाकार को पहचाना और तराशा। पहला बड़ा मौका मिला जब उनके ही जन्मस्थाली और छत्तीसगढ़ सिनेमा इंडस्ट्री के हॉट स्पॉट कसडोल में फ़िल्म कुरुक्षेत्र बनी। अपने कला की तारीफ़ और डेडिकेशन की वजह से छोटी सी उम्र मे छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी फ़िल्म मोर छैय्या भूईया 3 मे किशोर रत्न पुरुस्कृत सतीश जैन जी के नेतृत्व मे काम करने का मौका मिला। कला के साथ साथ पढ़ाई में अच्छा होने की वजह से मुझे मिला प्यार। पिता सुनिल साहू जो की इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल में पत्रकार के साथ साथ फ़िल्म इंडस्ट्री में सबसे सक्रिय लाइन प्रोडूसर होने की परछाई अराध्या पर भी पड़ी. उनसे पूछने पर बताया की बड़े होकर उनको कलाकार के साथ साथ आईएएस अधिकारी बनने का सपना है। भगवान ने हर इंसान के अंदर एक विशेष कला दी है। उसको जानो समझो और अपने लक्ष्य तक पहुँचो।

मेरा नाम **अमूल्यनिधि मिश्रा** है, मैं गीतांजलि नगर, रायपुर का रहने वाला हूँ और वर्तमान में सातवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ। मेरे स्वर्गीय दादा, क्षमानिधि मिश्रा भी इसी क्षेत्र से जुड़े थे। उन्हीं से मुझे प्रेरणा मिली। मैं अक्सर अवार्ड समारोहों में डांस करता था, वहीं मुझे छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक सतीश जैन जी ने देखा। उन्होंने मुझे अपनी फिल्म मोर छैया भुइयां-2 में कार्तिक की भूमिका के लिए, शूटिंग शुरू होने से एक दिन पहले कास्ट किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी खुशी की बात थी। अब तक मैंने तीन फिल्मों—मोर छैया भुइयां-2, गुइयां-2, मैं राजा ते मोर रानी—और तीन वेब सीरीज—लमसेना, टीवीएफ की ग्राम चिकित्सालय, और सरकारी अफसर (सीजन 1)—में अभिनय किया है। पढ़ाई और शूटिंग में बेहतर तालमेल है। मेरे टीचर्स काफी सहयोग करते हैं और मुझे आसानी से छुट्टी मिल जाती है, जिससे दोनों में संतुलन बना पाता हूँ। मैं भविष्य में पढ़ाई और अभिनय—दोनों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहता हूँ। अब तक जिन भी डायरेक्टर्स और असिस्टेंट डायरेक्टर्स के साथ मैंने काम किया है, वे सभी बहुत सहयोगी रहे हैं और मेरा अच्छे से ध्यान रखा है।

नाम – **दर्शन जैन,** कक्षा 9वीं श्री शंकरा विद्यालय, भिलाई सेक्टर-10 रही हैं। पिता जय प्रकाश जैन और माता निशा जैन का पूरा सपोर्ट मिला। स्कूल और टीचर्स ने हमेशा सहयोग किया। माता-पिता ने मेरे अंदर के कलाकार को पहचाना और हर कदम पर साथ दिया। अभिनय यात्रा की शुरुआत छत्तीसगढ़ी फिल्म अतरंगी से हुई। बचपन में ही मुझे इस फिल्म में तोतले बच्चे का रोल मिला, जिसे दर्शकों और निर्माताओं ने खूब सराहा। इसी रोल से मेरा टैलेंट पहचाना गया और लगातार नए प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। अब तक मैंने अतरंगी, इश्क़ मा रिस्क है, डार्लिंग प्यार झुकता नहीं, आई लव यू 2, लव लेटर, गांव का जीरो शहर में हीरो, छैया भुईयां 2, गुइया 2 जैसी 7 बड़ी फिल्मों में अभिनय किया है। शॉर्ट फिल्मों में आर्टिकल 21A (जिसमें मुझे ऑल इंडिया बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट अवॉर्ड मिला), बेबस बचपन, मेरा बचपन, सेवा मेरा धर्म, मेडिसन शामिल हैं। बॉलीवुड वेब सीरीज में The Great Indian Murder और Mrs. Falani में भी काम किया है। छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी फिल्म मोर छैया भुइयां 2 में किशोर रत्न सतीश जैन जी के निर्देशन में काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा।

मेरा नाम **आयत** है और मैं रायपुर में रहती हूँ। अभी मैं क्लास 6 में गई हूँ। मैंने पहली फिल्म "हसझन पगली फस जाबे" की थी। वैसे तो मैं कैमरा देखती ही नहीं थी और भीड़ से भी नहीं डरती थी। बस जो डायरेक्टर सर बोलते थे मैं वो करती थी, और जो मेरे पापा बोलते थे, वो भी करती थी। मैं हमेशा अपने पापा से सुनती थी कि कैमरे के सामने ऐसा फील होता है, या क्राउड के सामने वैसा फील होता है। लेकिन जब पहली बार खुद अनुभव किया तो मुझे बहुत मज़ा आया। बहुत अच्छा लगा। मैंने पाँच फिल्में की हैं – हसझन पगली फस जाबे, डार्लिंग प्यार झुकता नहीं, एक और लव स्टोरी, रक्षनम, सौदागर (भोजपुरी)। मेरे स्कूल में लोगों को नहीं पता कि मेरे पापा छत्तीसगढ़ी फिल्मों में हीरो हैं। पापा ने कहा है कि पढ़ाई, दोस्ती और बाकी चीजों पर फोकस करना चाहिए। इसलिए ना ही मेरे फ्रेंड्स को पता है कि मैं फिल्म में काम करती हूँ और ना ही टीचर्स को। मैं भविष्य में डॉक्टर या सिंगर बनना चाहती हूँ। शूटिंग पर बहुत अच्छे से केयर किया जाता है। बिल्कुल परिवार जैसा माहौल होता है। बहुत मज़ा आता है। जो बच्चे काम कर रहे हैं, वो अपने काम पर फोकस करें, मेहनत करें बस वही जरूरी है।

गृहिणी से अवॉर्ड-विजेता डिज़ाइनर तक का सफर

रायपुर की प्रियंका गुप्ता, बॉलीवुड तक बनाई पहचान

रायपुर। उम्र कभी सपनों की सीमा नहीं होती, ये साबित किया है रायपुर की फैशन डिज़ाइनर प्रियंका गुप्ता ने। दो बच्चों की माँ और एक गृहिणी के रूप में जीवन शुरू करने वाली प्रियंका ने 15 साल बाद अपना अधूरा फैशन कोर्स पूरा कर, डिज़ाइनिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरूआत में खुद और परिवार के लिए डिज़ाइन किया, लेकिन जल्द ही उनके काम की तारीफ़ ने उन्हें प्रोफेशनल बना दिया।

प्रियंका को एक फैशन शो में 'बेस्ट ड्रेस डिज़ाइनर' का अवॉर्ड मिला, और बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री ने भी उनके डिज़ाइन पहने, जिससे उन्हें राष्ट्रीय पहचान मिली। प्रियंका बताती हैं कि डिज़ाइनिंग उनके लिए "साइलेंट थैरेपी" है। वह कहती हैं, "रात के 3 बजे तक भी काम किया क्योंकि ये सिर्फ काम नहीं, मेरा जुनून था।" उन्होंने मॉडलिंग स्टेज पर वॉक भी किया, और आत्मविश्वास से भरकर बताया कि ये अनुभव उनके लिए नया लेकिन सशक्त था। प्रियंका कहती हैं कि उन्होंने इंडस्ट्री की चुनौतियों, फेक ऑफर्स और असहज परिस्थितियों का भी सामना किया, लेकिन अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं किया।

फिल्मों में डिज़ाइन करने की चाह रखने वाली प्रियंका का मानना है कि सफलता तब मिलती है जब आपका काम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाता है। उनका संदेश है – "महिलाएँ किसी भी उम्र में नई शुरुआत कर सकती हैं, आत्मनिर्भरता ही असली सफलता है।" आज प्रियंका गुप्ता छत्तीसगढ़ की उन महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं, जो जीवन की दूसरी पारी में अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं।

गाँव की गलियों से ग्लैमर की दुनिया तक

- नाम कमाने की जिद में न झुकी, न रुकी

शहरसात्ता/रायपुर। छोटे से गांव से निकलकर, बिना किसी गॉडफादर और बिना सपोर्ट के, आज अपनी मेहनत और हौसले से पहचान बना चुकी हैं,शिता साहू । जो कभी 300 रुपये की पहली कमाई से शुरूआत हुई थी, आज वो कई युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। परिवार से विरोध, समाज की सोच और फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाइयों से लड़ते हुए, उन्होंने कभी अपनी सीमाएं नहीं तोड़ी, सिर्फ सोच को बदला। कास्टिंग काउच जैसी कड़वी सच्चाइयों को लेकर भी शिता ने बेबाकी से कहा "फेस किया, पर ट्रैप नहीं हुई... क्योंकि मुझे नाम कमाना है, गवाना नहीं। सोशल मीडिया के दबाव, नेगेटिव कमेंट्स और दिखावे की दुनिया को लेकर उनका नजरिया साफ है। "लाइक्स के लिए अपना असलीपन मत खोइए, असली टैलेंट ही सबसे बड़ी पहचान है।" फिल्म MCB 3 के कोर्ट सीन में बिना एक भी संवाद बोले अपनी एक्टिंग से तारीफ बटोरने वाली इस अभिनेत्री का मानना है कि टैलेंट से पहचाना जाता है, सिर्फ कपड़ों से नहीं। नवोदित कलाकारों के लिए शिता साहू ने कहा छोटे मौके भी बड़े सपनों की शुरुआत होते हैं। हर ऑफर पर काम करने से पहले पूरी जानकारी लें, और खुद को हमेशा मजबूत रखें। "छॉलीवुड को नए चेहरे और साफ सोच वाले कलाकारों की ज़रूरत है, जो इस इंडस्ट्री को ऊँचाई दें, ना कि बदनामी।"

सुशासन तिहार जन समस्याओं के समाधान का अभियान : विष्णुदेव

54 दिवसीय 'सुशासन तिहार का धमतरी जिले में समापन

रायपुर। रिमझिम बारिश के बीच आज धमतरी के समाधान शिविर में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नागरिकों की मांग पर 213 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्या की सौगात दी। उन्होंने हाईटेक बस स्टैण्ड, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और तीन सड़कों के निर्माण की मंजूरी दी। आज जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मिशन मोड में प्रदेश भर में पिछले 54 दिनों से संचालित सुशासन तिहार का आज धमतरी के पुराने कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित इस समाधान शिविर और समीक्षा बैठक के बाद समापन हो गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी के समाधान शिविर में आमजनों से योजनाओं की मैदानी स्थिति की जानकारी ली और व्यक्तिगत रूप से आवेदनों के समाधान की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय स्टालों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रिमझिम बारिश के बावजूद जनसमूह का उत्साह देखते ही बनता था। कमल के फूलों के हार के साथ हजारों की संख्या में नागरिकों ने मुख्यमंत्री का जोशिला स्वागत किया।

धमतरी में बड़ी घोषणाएं

सुशासन त्योहार के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी जिले की बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए 213 करोड़ रुपये के कार्या की सौगात दी। उन्होंने धमतरी में हाईटेक बस स्टैंड के लिए 18 करोड़ रूपए, एक सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम के लिए 10 करोड़ 50 लाख रूपए, सिहावा चौक से कोलियारी तक फोर लेन सड़क निर्माण 5 किलोमीटर के लिए 69 करोड़ रुपए, रत्नाबन्धा से मुजगहन तक फोरलेन सड़क के लिए 56 करोड़ रूपए और धमतरी से नगरी मुख्य मार्ग नवीनीकरण और मजबूतीकरण के लिए 60 करोड़ रुपए की घोषणा की।

सुशासन के मायने अच्छा शासन

मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुशासन का अर्थ है -अच्छा शासन। 'सुशासन तिहार' आपकी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित त्योहार है। 8 अप्रैल से शुरू हुए इस महाअभियान के प्रथम चरण में राज्य के प्रत्येक जिले में ग्रामीणों से आवेदन लिए गए, दूसरे चरण में आवेदनों पर कार्यवाही की गई और तृतीय चरण में 08 से 10 ग्राम पंचायतों के बीच समाधान शिविरों का आयोजन कर आवेदनों के निराकरण की जानकारी हितग्राहियों को दी गई। सुशासन तिहार के दौरान अचानक गांव में पहुंचकर ग्रामीणों की चौपाल में लोगों से फीडबैक लिया गया।

योजनाओं की जानी हकीकत

मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी समाधान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं का फीडबैक लिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राही जोधापुर डाकबंगला वार्ड की श्रीमती सुधा मारकण्डे ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें पक्का मकान मिल गया है और अब पानी टपकने और कीड़े-मकोड़े आदि का डर नहीं है। लखपति दीदी श्रीमती संतोषी हिरवानी ने बताया कि वह आजीविका के लिए मुर्गीपालन के साथ ही मछलीपालन, पशुपालन, मशरूम उत्पादन आदि का व्यवसाय कर रही हैं, इससे उन्हें 12 हजार रूपये की अतिरिक्त आय हो रही है। कला केन्द्र में कराटे और डांसिंग सिखाने वाले वेदप्रकाश साहू ने कहा कि, कलाकेन्द्र स्थापित होने से उन्हें रोजगार का अवसर मिला। आयुष्मान वय वंदन कार्ड के हितग्राही श्री घनाराम रजवाड़े ने कार्ड के जरिए मिल रही निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है।

जनसुविधाओं का ध्यान, समस्याओं का तत्परता से समाधान और गुणवत्तापूर्ण सेवा से ही सुशासन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य सरकार द्वारा बीते डेढ़ वर्ष में किए गए कार्यों की जमीन हकीकत का मूल्यांकन और जनता जनार्दन से संवादकर फीडबैक प्राप्त करना है। राज्य शासन का लक्ष्य जनसेवा है और इसके लिए प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को सजगता और संवेदनशीलता से काम करने की जरूरत है।

जनसुविधाओं का ध्यान, समस्याओं का तत्परता से समाधान और गुणवत्तापूर्ण सेवा से ही सुशासन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह बातें कोंडागांव कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने बस्तर क्षेत्र में वनोपज आधारित

रोजगार पर जोर देते हुए कहा कि इमली एवं रेशम कोकून जैसे उत्पादों पर विशेष रणनीति बनाकर वैल्यू एडिशन करें, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिकाधिक अवसर प्राप्त हों। उन्होंने रेशम, मधुमक्खी पालन, लाख उत्पादन जैसे उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं के प्रचार-प्रसार एवं विपणन के माध्यम से व्यवसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जनसामान्य से उज्ज्वला योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों के मद्देनजर अधिकारियों को रिफिलिंग प्रतिशत बढ़ाने एवं गैस सब्सिडी के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। राजस्व प्रकरणों, विशेषकर सीमांकन से संबंधित मामलों को 15 जून के पूर्व निराकृत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग में मक्का प्रमुख फसल है, इसे उन्नत तकनीक से जोड़कर उत्पादकता में वृद्धि की जाए।

सुशासन तिहार सेवा और सरोकार की अभिव्यक्ति है: मंत्री राजवाड़े

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनकल्याण को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे सुशासन तिहार अभियान के अंतर्गत सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत भैयाथन में समाधान शिविर, अन्नप्राशन, एवं गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस बहुआयामी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की और क्षेत्रीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण हर गांव, हर घर तक पहुँचे। सुशासन तिहार केवल कार्यक्रम नहीं, यह सेवा और सरोकार की अभिव्यक्ति है।

कार्यक्रम के तहत अन्नप्राशन संस्कार में शिशुओं को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया और गोदभराई कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और कई प्रकरणों का स्थल पर ही निराकरण किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुपोषण अभियान, किशोरी बालिका योजना, शिशु सुरक्षा योजना, उज्ज्वला योजना जैसे अनेक शासकीय कार्यक्रमों की जानकारी विभागीय स्टॉलों के माध्यम से दी गई।

भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी पर होगी कड़ी कार्यवाही: दयाल दास बघेल

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनकल्याण को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे सुशासन तिहार अभियान के अंतर्गत सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत भैयाथन में समाधान शिविर, अन्नप्राशन, एवं गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस बहुआयामी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की और क्षेत्रीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण हर गांव, हर घर तक पहुँचे। सुशासन तिहार केवल कार्यक्रम नहीं, यह सेवा और सरोकार की अभिव्यक्ति है।

कार्यक्रम के तहत अन्नप्राशन संस्कार में शिशुओं को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया और गोदभराई कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और कई प्रकरणों का स्थल पर ही निराकरण किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुपोषण अभियान, किशोरी बालिका योजना, शिशु सुरक्षा योजना, उज्ज्वला योजना जैसे अनेक शासकीय कार्यक्रमों की जानकारी विभागीय स्टॉलों के माध्यम से दी गई।

अनटाइड फंड में लाखों का फर्जीवाड़ा

उप-स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का घोटाला उजागर

विकास यादव/मुख्य संवाददाता

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में गड़बड़ियां, अनियमितता, घोटाले के बाद एक और फर्जीवाड़ा हुआ है। इस बार केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि के आहरण में फर्जी तरीके से हस्ताक्षर कर पैसा आहरण किये जाने की खबर है। मामला उप-स्वास्थ्य केंद्र तखतपुर जिला बिलासपुर का है। यहां संचालित उप-स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में फंड निकलने की हड़बड़ी में नियमों को ताक में रख दिया गया। विभाग के JD, CMHO से लेकर BMO तक बेसुध रहे और एक महिला ANM ने फर्जी हस्ताक्षर कर अनटाइड फंड की राशि आहरित कर ली। राशि आहरण के आरोप की तस्दीक महकमे का डेली अटेंडेंस रजिस्टर भी करता है।

- **उप-स्वास्थ्य केंद्र भरारी, ताड़ा समेत 5 अन्य में केंद्र में भारी गड़बड़ी**
- **केंद्र सरकार से मिलने वाली अनटाइड फंड की राशि का गलत आहरण**
- **तखतपुर जिला बिलासपुर के स्वास्थ्य केंद्रों में फर्जी साइन से पैसे आहरित**
- **डबल सिग्नेचर से ANM कुमारी अन्नु राव ने अनटाइड फंड से पैसे निकाले**

शहर सत्ता/रायपुर/बिलासपुर। जानकारी के मुताबिक अनटाइड फण्ड की राशि संयुक्त हस्ताक्षर RHO महिला एंड महिला सुपरवाइज़र भरारी एंड संतोषी से निकाला जाता है। इसी तारतम्य में केंद्र से प्राप्त यह राशि डबल साइन से निकालने का नियम है। लेकिन उप-स्वास्थ्य केंद्र भरारी CHC तखतपुर जिला बिलासपुर में ऋचा पांडेय की अनुपस्थिति में उनके फर्जी हस्ताक्षर से ANM कुमारी अन्नु राव ने निकाल लिया। जानकारी के मुताबिक एक नहीं बलकि दो बार ऋचा पांडेय की अनुपस्थिति में उनका साइन करके केंद्र की अनटाइड फंड से राशि आहरित की गई है। जबकि अनटाइड फण्ड की राशि संयुक्त हस्ताक्षर RHO महिला एंड महिला सुपरवाइज़र भरारी एंड संतोषी से निकलता है। अनटाइड फंड की राशि से ऑफिस प्रबंधन और भवन तथा अन्य व्यय के लिए खर्च की जाती है। बता दें कि केंद्र से मिलने वाली यह राशि उपस्वास्थ्य केंद्र की है, अब आयुष्मान में है पहले राशि 20 थी अब 50 हजार हो गई है।

इन तारीखों में निकाली गई राशि

वर्ष 30 सितंबर 2013 को फंड में 20000 रूपये जमा हुआ और 7 अक्टूबर 2013 को 15000 निकला गया फिर 21 अक्टूबर 2013 को 5000 आहरित किया गया। जबकि ऋचा पांडे द्वितीय हस्ताक्षरकर्ता 25 सितंबर 2013 से सेवा अवधी से उनुपस्थित थीं। इससे साबित हो जाता है कि अनटाइड फंड की राशि गलत तरीके से फर्जी हस्ताक्षर से आहरित की गई। कथित तौर पर यह सारा कृत्य ANM कुमारी अन्नू राव ने किया।

ANM अन्नू राव का क्या है कार्य

गर्भवती महिला शिशु को टिका लगाना है। उप स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक केंद्र तखतपुर जिला बिलासपु भरारी में रहते हुए शिकायतों, सरपंच से विवाद और फर्जी साइन करके अनटाइड फंड की राशि निकलने का आरोप है। उप स्वास्थ केंद्र टांडा में 03-07-2017, 31.12.2019 तक टांडा और 28.8.2021 से 14.4.2022 तक टांडा मे संलग्न थी। सख्ती से जांच होगी तो पिछले कई साल से अनटाइड फंड की निकासी और फिजूलखर्च सामने आएगी।

इन केंद्रों में भी निकलेगी गड़बड़ी

भरारी, टांडा, लभेर, नेवरा, घुटकू, और लोखंडी में भी विभागीय अधिकारी अगर बारीकी से पड़ताल करेंगे तो कई चौंकाने वाला खुलासा होगा। अनटाइड फंड की राशि संयुक्त हस्ताक्षर से ही निकालने और इसके पैसों से स्वास्थ्य केंद्रों की जरूरतों पर खर्च करने का नियम है। लेकिन ANM और अन्य की मदद से इसमें तकरीबन एक लाख 10 हजार रूपये तक की गड़बड़ी और आहरण नियमों की अनदेखी सामने आएगी।

कॉल उठाना तो दूर कॉल बैक भी नहीं

उक्त मामले और उनपर लग रहे आरोपों पर ANM कुमारी अन्नू राव से उनके मोबाइल नम्बर पर संपर्क किया गया तो रिंग जाती रही और उनहोने कॉल रिसीव नहीं किया। दूसरी बार फिर उनके दूसरे नंबर पर कॉल करने पर भी वे बात नहीं की। शायद वो व्यस्त हों यह सोचकर कुछ देर की प्रतीक्षा के बाद पुनः शहर सत्ता संवाददाता ने संपर्क साधा तो भी उन्होंने बात नहीं की। बता दें कि उनसे पूर्व तखतपुर जिला बिलासपुर के स्वास्थ्य अधिकारीयों से अधिकृत वर्जन हमने ले लिया था।
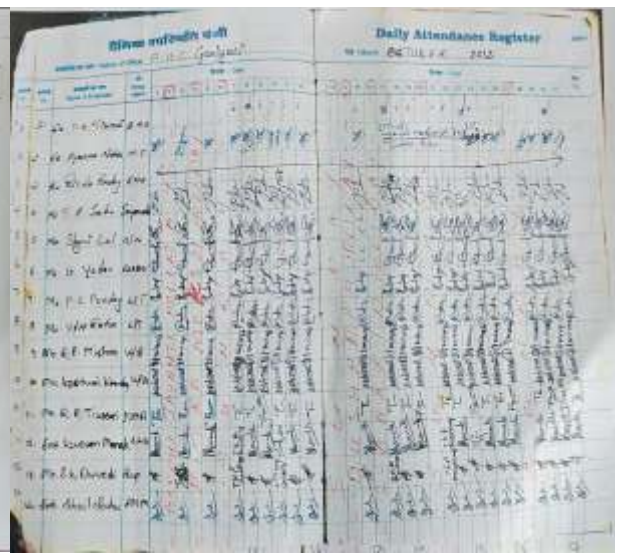
घोटाले पर संयुक्त संचालक तिवारी का जवाब

सवाल : 'अंटाइटल्ड फंड' की राशि को गलत तरीके से निकाला गया है। क्या आपको इस मामले की कोई जानकारी है?"

जवाब : "नहीं, मुझे इस विषय में कोई जानकारी नहीं है। मैं अभी सिर्फ 4-5 महीनों से जॉइन्ट डायरेक्टर पद पर कार्यरत हूँ, और यह विभाग मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) के अधीन आता है।"

सवाल : "मामला 2013 से 2019 के बीच का बताया जा रहा है, जिसमें कु. अनुराव द्वारा फर्जी हस्ताक्षर करके राशि निकाली गई ?

जवाब : "नहीं, मुझे इस बारे में कोई आइडिया नहीं है। अगर मामला सामने आता है तो निश्चित रूप से हम इसकी जांच कराएंगे। सरकारी प्रक्रिया के अनुसार हम संबंधित व्यक्ति से पूछताछ करेंगे – क्यों किया, कैसे किया, और कौन-कौन शामिल था।"

सवाल : "सर, यह जो अंटाइटल्ड फंड होता है, उसकी निकासी में दो हस्ताक्षर अनिवार्य होते हैं। दस्तावेजों में एक हस्ताक्षर श्रीमती अनरीशा पांडे के भी दिख रहे हैं, जो उस समय पदस्थ थीं। इसके बावजूद अनुराव जी ने फर्जी तरीके से हस्ताक्षर कर पूरे फंड निकाल लिए।"

जवाब : "देखिए, नियम और प्रक्रिया स्पष्ट होते हैं – फंड की निकासी कैसे होगी, उसमें किन-किन लोगों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं, और खर्च का हिसाब कैसे दिया जाएगा। यदि किसी ने नियमों की अनदेखी की है, तो उसकी जांच ज़रूर करवाई जाएगी।"

सवाल : "क्या आप इस संबंध में कोई त्वरित कदम उठाएंगे?"

जवाब : "मैं सोमवार या मंगलवार को कार्यालय में रहूँगा। यदि आपके पास दस्तावेज़ या प्रमाण हैं, तो प्रस्तुत करें। हम जांच करवा देंगे।"

नहीं, अनटाइड फंड की राशि फर्जी हस्ताक्षर से निकाले जाने जैसी ऐसी जानकारी मेरे पास नहीं है। यदि उस समय ऐसा कुछ हुआ होता, और शिकायत मिलती, तो तत्काल कार्रवाई की जाती। वैसे भी, हर वर्ष ऑडिट होता है। बिना ऑडिट क्लियर हुए कोई अगली राशि स्वीकृत नहीं होती। अगर यह फर्जीवाड़ा हुआ है, तो यह ऑडिट से बचकर कैसे निकल गया, यह जांच का विषय हो सकता है।
डॉ प्रमोद तिवारी, सीएमएचओ

देखिए, मेरा प्रभार लगभग एक वर्ष पहले ही शुरू हुआ है। 2013 से 2019 तक की अवधि में क्या हुआ, इसकी जानकारी मेरे पास नहीं है, इसलिए मैं अभी इस पर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कह सकता। आपसे ये जानकारी मिलने के बाद मैं अपने अकाउंटेंट से बात करके इस मामले को दिखवाता हूँ। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।
डॉ उमेश साहू, बीएमओ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-22683361, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।